RNI No. 58061/93 | वर्ष - 21 | अंक - 256 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » गुरुवार » 16-04-2026 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 तृणमूल से पाई पाई वसूल करेगी भाजपा : शाह

6 जबरन धर्मांतरण और उत्पीड़न के आरोपों से हिला कॉर्पोरेट तंत्र

7 सुमोना चक्रवर्ती का फिटनेस मंत्र, 'अनुशासन ही असली जीत है'

फर्स्ट टेक

श्रीलंका ने 230 से अधिक ईरानी नौसैनिकों को उनके देश भेजा

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका में अमेरिकी पनडुब्बी हमले और इंजन फेल होने की घटनाओं के बाद संकट में फंसे ईरानी नौसेना के दो जहाजों के 230 से अधिक नाविकों को स्वदेश भेज दिया गया है। रक्षा अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। कुल 238 नाविकों को मंगलवार देर रात तुर्किये की एक एयरलाइन के विमान से वापस भेजा गया। चार मार्च को ईरान का नौसैनिक जहाज 'आईरिस डेना' श्रीलंका के अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र के बाहर अमेरिकी हमले का शिकार हुआ था, जिसमें 84 नाविकों की मौत हो गई थी। इस घटना में 32 अन्य लोगों को श्रीलंका ने बचाया था। इसके तीन दिन बाद ईरान के दूसरे जहाज 'आईरिस बुशहर' को इंजन खराब होने की सूचना के बाद श्रीलंका के जल क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति दी गई थी।

रोहिंग्या समेत 250 लोगों को ले जा रही नौका अंडमान सागर में डूबी

ढाका/एपी। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी और प्रवासन एजेंसियों ने बताया कि हाल ही में अंडमान सागर में मलेशिया जा रही एक नाव पलटने से कम से कम 250 लोग लापता हो गए हैं, जिनमें रोहिंग्या शरणार्थी और बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं। हालांकि विवरण अभी स्पष्ट नहीं हैं लेकिन बांग्लादेश तटरक्षक बल के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कमांडर सब्बीर आलम सुजान ने बुधवार को बताया कि नौ अप्रैल को नौ लोगों को बचाया गया, जिनमें तीन रोहिंग्या और छह बांग्लादेशी शामिल हैं। सुजान ने बताया कि बांग्लादेश के ध्वजवाहक पोत एम.टी. मेघना प्राइड ने इन नौ लोगों को तब बचाया, जब जहाज के चालक दल ने नाव पलटने के बाद उन्हें समुद्र में तैरते हुए पाया।

रूस-चीन संबंध मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में बहुमूल्य : चिनफिंग

बीजिंग/एपी। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बुधवार को कहा कि बदलावों और उथल-पुथल के दौर से गुजर रहे अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में चीन-रूस संबंधों में मौजूद स्थिरता और निश्चितता खास तौर पर बहुमूल्य है। बीजिंग में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात के दौरान चिनफिंग ने कहा कि इस तरह की पृष्ठभूमि में दोनों देशों के बीच मैत्री संधि की मजबूत जीवंतता और अनुकरणीय महत्व और भी अधिक स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आया है। सरकारी प्रसारक 'सीसीटीवी' की खबर के मुताबिक, चिनफिंग ने कहा कि चीन और रूस को दोनों देशों के वैध हितों और 'ग्लोबल साउथ' के देशों की एकता की रक्षा करने के लिए अपने गहरे एवं मजबूत रणनीतिक सहयोग का इस्तेमाल करने की जरूरत है।

सूर्यास्त 15-04-2026	सूर्योदय 16-04-2026
6:32 बजे	6:06 बजे

BSE	NSE
78,111.24	24,231.30
(+1,263.67)	(+388.65)

सोना	चांदी
15,996 रु.	260,481 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी यूटर्न

लो बजा चुनावी बिगुल पुनः,
फिर से यह मौसम हुआ गर्म।
जो बदमिजाज बेहया रहे,
उनको भी आने लगी शर्म।
जो लिप्त रहे निज कर्मों में,
वे याद कर रहे लोक धर्म।
हो रहे उग्र जो सब पर ही,
वे सब अब होने लगे नर्म।।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में द्रमुक की हार तय है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागरकोइल (तमिलनाडु)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए राजग उम्मीदवारों के समर्थन में बुधवार को एक रोडशो किया और कहा कि अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन ''निश्चित रूप से जीतेगा'' जबकि सत्तारूढ़ द्रमुक की हार तय है।

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन और उनके पूर्ववर्ती के. अन्नामलाई के साथ कन्याकुमारी जिले के नागरकोइल में मोदी एक सजे-धजे वाहन के ऊपर खड़े होकर, सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में मौजूद लोगों का अभिवादन कर रहे थे।

इस कस्बे में वेप्पामूडु जंक्शन से वडासेरी तक लगभग 1.5 किलोमीटर की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री पर लोगों ने फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं। रोडशो के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने ''मोदी, मोदी'' और ''भारत माता की जय'' के नारे लगाये।

महिला आरक्षण के नाम पर

ओबीसी का ''हिस्सा चोरी'' करना चाहते हैं प्रधानमंत्री मोदी : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिला आरक्षण के नाम पर अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी) का ''हिस्सा चोरी'' करना चाहते हैं, जो ''राष्ट्र विरोधी गतिविधि'' है।

राहुल ने लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़ा संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश किए जाने से एक दिन पहले जारी वीडियो संदेश में कहा कि अगर सरकार महिला आरक्षण लागू करना चाहती है, तो वह वर्तमान नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू कर सकती है और परिसीमन भी नई जनगणना के आधार पर होना चाहिए, क्योंकि उसमें ओबीसी की आबादी का आंकड़ा होगा।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी महिला आरक्षण का पूरी तरह से समर्थन करती है, लेकिन सरकार इसके नाम पर कुछ और करना चाहती है। उन्होंने दावा किया, ''अब बहुत बड़ी बेईमानी की जा रही है। प्रधानमंत्री नहीं चाहते हैं कि जाति जनगणना और नई जनगणना के आधार पर यह (महिला आरक्षण) निर्णय लिया जाए। प्रधानमंत्री आपकी (ओबीसी) भागीदारी आप से छीन रहे हैं। वह चाहते हैं कि 2011 की जनगणना का इस्तेमाल किया जाए, जिसमें अन्य पिछड़ा वर्गों की संख्या नहीं है। वह आपकी (ओबीसी) भागीदारी छीनना चाहते हैं।''

ईडी ने 'आप' सांसद अशोक मित्तल से जुड़े शैक्षणिक संस्थानों पर छापे मारे

जालंधर/नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) की जांच के तहत आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल और उनके तथा उनके परिवार द्वारा पंजाब और हरियाणा में स्थापित शैक्षणिक संस्थानों के खिलाफ तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जालंधर, उसके आसपास के इलाकों और गुरुग्राम में लगभग 10 स्थानों पर फेमा के तहत तलाशी ली गई। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि इसमें फगवाड़ा (कपूरथला जिला) स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) का परिसर और गुरुग्राम में स्थित टेट्र कॉलेज ऑफ बिजनेस और मास्टर्स यूनियन कॉलेज ऑफ बिजनेस नामक दो संबद्ध शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं।

व्यापारिक नौवहन पर हमले पूरी तरह अस्वीकार्य : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष तथा इसके वैश्विक प्रभावों की पृष्ठभूमि में, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को समुद्री नौवहन के ''सुरक्षित एवं निर्बाध'' मार्ग के लिए भारत की मजबूत प्रतिबद्धता को रेखांकित किया और कहा कि व्यापारिक जहाजों पर हमले ''पूरी तरह अस्वीकार्य'' हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां संवाददाताओं को बताया कि ऊर्जा बाजारों में आपूर्ति शृंखला व्यवधानों पर चर्चा के लिए जापान द्वारा बुलाई गई 'एजेईसी प्लस' ऑनलाइन बैठक में विदेश मंत्री ने संबंधित टिप्पणी की। बुधवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में, जायसवाल ने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के संदर्भ में भारत की राजनयिक चर्चा जारी है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच मंगलवार को टेलीफोन पर हुई बातचीत का व्यापक संदर्भ साझा किया।

जयशंकर ने कल अपने इजराइली समकक्ष गिदोन सार से बात की और पश्चिम एशिया में संघर्ष के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

जायसवाल ने कहा कि जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री से भी बात की, और दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में संघर्ष पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि विदेश मंत्री ने ऊर्जा बाजारों में आपूर्ति शृंखला व्यवधानों पर चर्चा के लिए जापान द्वारा बुलाई गई 'एजेईसी प्लस' बैठक में भाग लिया।

बिहार के 24वें मुख्यमंत्री बने सम्राट चौधरी

पटना/भाषा। बिहार में सत्ता परिवर्तन के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सम्राट चौधरी ने बुधवार को राज्य के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने लोकभवन के राजेंद्र मंडपम में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद चौधरी इस पद पर आसीन होने वाले, भाजपा के पहले मुख्यमंत्री हैं। राज्य के इतिहास में यह पहली बार है जब भाजपा के किसी नेता ने मुख्यमंत्री पद संभाला है।

सम्राट चौधरी के अलावा जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विजय चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

भाजपा नेता योगेश गौड़ा हत्याकांड

कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी दोषी करार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विशेष सांसद-विधायक अदालत ने बुधवार को कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता योगेश गौड़ा की 2016 में हुई हत्या के मामले में दोषी करार दिया। न्यायाधीश संतोष गजानन भट ने कुलकर्णी के साथ 16 अन्य लोगों को भी दोषी ठहराया, जबकि दो अन्य आरोपियों को बरी कर दिया गया। अदालत बृहस्पतिवार को सजा सुनाएगी।

भाजपा सदस्य और धारवाड़ जिला पंचायत के पूर्व सदस्य योगेश गौड़ा की 15 जून 2016 को धारवाड़ स्थित उनके जिम में हत्या कर दी गई थी। कुलकर्णी पर इस हत्याकांड की साजिश रचने का आरोप है।

घटना के समय वह (कुलकर्णी) राज्य सरकार में मंत्री थे। शुरुआत में स्थानीय पुलिस ने इस मामले की जांच की थी, लेकिन 2019 में भाजपा सरकार आने के बाद इसे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया गया। सीबीआई ने इस मामले में 113 गवाहों के बयान दर्ज किए और 2020 में कुलकर्णी को गिरफ्तार किया।

विधायक को इस मामले में नौ महीने से अधिक समय जेल में बिताना पड़ा था जिसके बाद उन्हें उच्चतम न्यायालय से जमानत मिली थी। अदालत ने मामले की जांच करने वाली सीबीआई को सभी दोषियों को हिरासत में लेने का आदेश दिया है।

शायरी प्रतियोगिता

बेंगलूरु के कोरमंगला स्थित सेंट फ्रांसिस महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा गत 13 अप्रैल को राष्ट्रीय स्तर पर शाम शायराना शायरी प्रतियोगिता का शानदार आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शायरी प्रेमियों के लिए एक अनुपम अवसर सिद्ध हुआ, जिसमें विभिन्न कॉलेजों से 18 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि एवं निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. लता चौहान एवं मिस्टर अकरम उल्ला बेग उपस्थित रहे। महाविद्यालय के निर्देशक ब्रदर डॉ. टाइटस एंटो एवं प्रधानाचार्य डॉ. आर.एन. सुब्बा राव और विभिन्न विभागों के अध्यापक गण ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

ब्रिगेड एंटरप्राइजेज बेंगलूरु में विकसित करेगी 39 एकड़ की टाउनशिप परियोजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रियल्टी कंपनी ब्रिगेड एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि वह बेंगलूरु में 39 एकड़ की टाउनशिप परियोजना विकसित करेगी, जिसकी अनुमानित राजस्व क्षमता 7,200 करोड़ रुपये की होगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी एक सूचना में कहा कि उसने पूर्वी बेंगलूरु के गुंजुर में 8.63 एकड़ भूखंड के लिए एक संयुक्त विकास समझौते (जेडीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते से कंपनी व्हाइटफील्ड-सरजापुर कॉरिडोर में 39 एकड़ की बड़ी एकीकृत आवासीय टाउनशिप विकसित करने में सक्षम होगी।

इसमें कहा गया है, ''मुख्य रूप से बड़े पैमाने पर आवासीय टाउनशिप के रूप में नियोजित 39 एकड़ के विकास का अनुमानित सकल विकास मूल्य (जीडीवी) लगभग 7,200 करोड़ रुपये होगा।'' टाउनशिप के लिए भूमि का इंतजाम एकमुश्त खरीद और संयुक्त विकास समझौतों के संयोजन के माध्यम से किया जा रहा है।

ब्रिगेड एंटरप्राइजेज लिमिटेड की प्रबंध निदेशक पवित्रा शंकर ने कहा, ''व्हाइटफील्ड-सरजापुर रोड बेंगलूरु के सबसे आकर्षक सूक्ष्म बाजारों और आवासीय विकास गलियारों में से एक बना हुआ है, जो बुनियादी ढांचे के विस्तार, संपर्क सुविधा और मजबूत रोजगार अवसरों से प्रेरित है।'' वर्ष 1986 में स्थापित ब्रिगेड ग्रुप ने कई रियल एस्टेट परियोजनाएं विकसित की हैं। इसकी बेंगलूरु, चेन्नई, हैदराबाद, मैसूर, कोच्चि, तिरुवनंतपुरम और गिफ्ट सिटी में मौजूदगी है।

क्वांटम तकनीक में कर्नाटक की बड़ी छलांग

देश का पहला 'क्वांटम इकोसिस्टम मैप' जारी, 'क्यू-सिटी' की होगी स्थापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विश्व क्वांटम दिवस के अवसर पर कर्नाटक ने तकनीकी क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत का पहला 'क्वांटम इकोसिस्टम मैप' जारी करते हुए राज्य के क्वांटम रोडमैप के पहले चरण की औपचारिक शुरुआत की है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री एन.एस. बोसराजु ने विजन से हकीकत तक कार्यक्रम के दौरान इस पहल की घोषणा की। उन्होंने बताया कि कर्नाटक देश का पहला राज्य बन गया है जिसने अपनी क्वांटम क्षमताओं का व्यापक मैप तैयार किया है। इसे आईआईएससी (भारतीय विज्ञान संस्थान) के सहयोग से विकसित किया गया है।

राज्य में एक समर्पित 'क्वांटम केंद्र' (क्यू-सिटी) स्थापित किया जाएगा। यह एक 'सिंगल-विंडो इकोसिस्टम' के रूप में कार्य करेगा जहाँ शिक्षा जगत, स्टार्टअप और उद्योग जगत एक साथ मिलकर अनुसंधान को व्यावहारिक उत्पादों में बदल सकेंगे। आईटी-बीटी मंत्री प्रियंक खरगे ने आने वाले दशक को 'डीप टेक दशक' घोषित किया है। सरकार ने क्वांटम कौशल विकास और स्टार्टअप के लिए 10 करोड़ के शुरुआती अनुदान और डीप टेक के लिए 400 करोड़ के विशेष फंड की घोषणा की है। सरकार ने भारतीय विज्ञान संस्थान के प्रसिद्ध प्रोफेसर अरिंदम घोष को कर्नाटक क्वांटम टास्क फोर्स का चेयरमैन नियुक्त किया है। वे 'क्यू-सिटी' की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और राज्य की भविष्य की तकनीकी रणनीतियों की देखरेख करेंगे। कार्यक्रम के दौरान विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले वैज्ञानिकों प्रो. अरिंदम घोष, प्रो. अक्षय नायक, नागेंद्र नागराज का सम्मान किया गया। इस अवसर पर इसरो के पूर्व चेयरमैन किरण कुमार और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

'दपरे' मुख्यालय में मनाई डॉ. बीआर अंबेडकर जयंती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। भारत रत्न डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में 15 अप्रैल को दक्षिण पश्चिम रेलवे के मुख्यालय 'रेल सौधा', हुब्बल्ली में डॉ. बी. आर. अंबेडकर जयंती मनाई गई। दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पी. अनंत ने बाबासाहेब के चित्र पर माल्यार्पण किया, पुष्पांजलि अर्पित की और सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान में और भारत के संविधान के मुख्य निर्माता के रूप में देश के लोकतांत्रिक ढांचे को आकार देने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाई। उन्होंने उल्लेख किया कि डॉ. अंबेडकर-जो एक प्रख्यात अर्थशास्त्री, वकील और प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे-ने अत्यंत साधारण और वंचित पृष्ठभूमि से उठकर देश के महानतम नेताओं में से एक बनने का सफर तय किया। पी. अनंत ने आगे इस बात पर ज़ोर दिया कि अपने कानूनी और बौद्धिक योगदानों से परे, डॉ. अंबेडकर का जीवन इस बात का एक सशक्त प्रमाण है कि कैसे शिक्षा और दृढ़ संकल्प किसी भी पृष्ठभूमि के व्यक्ति को सशक्त बना सकते हैं। समानता, गरिमा और सामाजिक उत्तरदायित्व के उनके शाश्वत आदर्श पीढ़ियों को प्रेरित करते आ रहे हैं, और हमें नागरिकों के रूप में हमारे इस दायित्व की याद दिलाते हैं कि हम अपने दैनिक जीवन में इन सिद्धांतों को बनाए रखें और उनका पालन करें।

इस अवसर पर दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के अपर महाप्रबंधक बी. राम मोहन रेड्डी, विभिन्न विभागों के प्रमुख, अन्य अधिकारी, मान्यता प्राप्त यूनियनों और संघों के प्रतिनिधि, तथा कर्मचारी भी उपस्थित थे और उन्होंने भी पुष्पांजलि अर्पित की। डॉ. बी. आर. अंबेडकर जयंती हुब्बल्ली, मैसूरु और बेंगलूरु के मंडल कार्यालयों में, तथा दक्षिण पश्चिम रेलवे की विभिन्न कार्यशालाओं (वर्कशॉप्स) में भी मनाई गई।

आरबीआई ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए शाखा विस्तार नियम को सुगम बनाया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को परिचालन में लचीलापन प्रदान करते हुए उन्हें अधिकांश मामलों में पूर्व अनुमति के बिना शाखाएं खोलने की अनुमति दी है। साथ ही जमा स्वीकार करने वाली इकाइयों के लिए शुद्ध स्वामित्व निधि के आधार पर कुछ शर्तें भी लागू कीं। केंद्रीय बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां - शाखा मंजूरी) संशोधन निर्देश, 2026 जारी किए हैं। एक परिपत्र में कहा गया है कि इन संशोधित निर्देशों का उद्देश्य एनबीएफसी को शाखा विस्तार के लिए परिचालन में लचीलापन प्रदान करना है ताकि कारोबार सुगमता बढ़े और साथ ही आवश्यक नियामक अनुपालन सुनिश्चित हो सके। आरबीआई ने कहा, जब तक विशेष रूप से प्रतिबंधित न हो, एनबीएफसी को आमतौर पर आरबीआई से पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना शाखाएं खोलने की अनुमति है। परिपत्र में कहा गया है कि 50 करोड़ रुपए तक की शुद्ध स्वामित्व निधि (एनओएफ) वाली या 'एए' से कम क्रेडिट रेटिंग वाली जमा स्वीकार करने वाली एनबीएफसी उस राज्य में शाखा खोल सकती है या एजेंट नियुक्त कर सकती है जहां उसका पंजीकृत कार्यालय स्थित है। यदि ऐसी एनबीएफसी की शुद्ध स्वामित्व निधि 50 करोड़ रुपए से अधिक है और क्रेडिट रेटिंग 'एए' या उससे ऊपर है, तो वह भारत में कहीं भी शाखा खोल सकती है या एजेंट नियुक्त कर सकती है।

एआई जागरूकता पर गिनीज बुक में दर्ज हुआ गोरखपुर का नाम

गोरखपुर (उप्र)/भाषा

कृत्रिम मेधा (एआई) जागरूकता पर गोरखपुर का नाम 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज हुआ है।

एक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में तैयार किए गए 'एआई फॉर ऑल' जागरूकता कार्यक्रम ने एक सप्ताह में 764187 ऑनलाइन पंजीकरण का विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है।

'महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' (एमपीआईटी) ने 'टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज' (टीसीएस) और अन्य संस्थानों के सहयोग से यह कार्यक्रम शुरू किया।

बुधवार को 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' के प्रतिनिधि ऋषि नाथ ने योगी आदित्यनाथ और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को इस कार्यक्रम के तहत पंजीकरण का विश्व कीर्तिमान रचे जाने का प्रमाण पत्र सौंपा।

यह प्रमाण पत्र एमपीआईटी में पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के लोकार्पण समारोह के मंच पर सौंपा गया। एमपीआईटी ने 'एआई फॉर ऑल' जागरूकता कार्यक्रम के लिए पांच लाख पंजीकरण का लक्ष्य रखा था। इसके लिए निर्धारित तिथि नौ अप्रैल तक 764187 पंजीकरण हुए।

इसके अंतर्गत दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (गोरखपुर), महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय, एमपी पॉलिटेक्निक, आईटीएम गीडा, बीआईटी गीडा आदि को भी साझा पहल में शामिल किया गया।

'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' के प्रतिनिधि ने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया को कड़े मानकों पर परखने के बाद प्रमाण पत्र सौंपा गया है।

प्रचार

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का पार्टी कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया, जब वह बुधवार को तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले में तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी के कैंपेन इवेंट्स में शामिल होने पहुंचीं।

राधाकृष्णन ने समावेशी विकास के लिए एआई को अपनाने का आह्वान किया

नई दिल्ली/भाषा

उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को व्यापक कल्याण के लिए एक शक्ति के रूप में अपनाने का बुधवार को आह्वान किया और कहा कि यह सरकारों को पहले से कहीं बेहतर सेवा करने के लिए सशक्त बना रही है। राधाकृष्णन ने यहां 'सुशासन के लिए एआई' विषय पर आयोजित पांचवें डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए कहा कि एआई एक समावेशी, कुशल और विकसित भारत के निर्माण में सहायक है। उन्होंने कहा कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता का लाभ उठाने में अग्रणी है, जो 'सबका साथ, सबका विकास' की परिकल्पना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल एक तकनीकी क्रांति नहीं बल्कि एक मानवीय क्रांति है। उन्होंने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि अब एआई के माध्यम से संसदीय दस्तावेज कई भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हैं। उन्होंने समावेशी शासन और भाषाई सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भारत के राष्ट्रीय एआई-संचालित भाषा मंच 'भाषिनी' पर भी प्रकाश डाला।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई-सहायता प्राप्त टीबी स्क्रीनिंग, एआई-सक्षम पोर्टेबल एक्स-रे उपकरणों और ई-संजीवनी जैसे टेलीमेडिसिन मंचों जैसी योजनाओं के माध्यम से एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही है। उन्होंने कृषि, लघु एवं मध्यम उद्यमों, साइबर सुरक्षा, न्यायपालिका और प्रशासनिक प्रणालियों में भी इसी तरह के परिवर्तनकारी प्रभाव देखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार शासन हर क्षेत्र को प्रभावित करता है, उसी प्रकार एआई भी अब हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने भारत एआई मिशन और अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन जैसी प्रमुख सरकारी पहल पर प्रकाश डाला, जिनका उद्देश्य देश के तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है।

राधाकृष्णन ने दिल्ली में हाल में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' का भी जिक्र किया, जहां एआई के क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को व्यापक रूप से सराहा गया। उन्होंने बताया कि वैश्विक उद्योग जगत की हस्तियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता में भारत की अपार क्षमता पर दृढ़ विश्वास व्यक्त किया।

दावणगेरे उपचुनाव : कांग्रेस ने विधायक जब्बार को प्राथमिक सदस्यता से निलंबित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार ने बुधवार को दावणगेरे दक्षिण विधानसभा उपचुनाव से पहले पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए विधायक के. अब्दुल जब्बार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। शिवकुमार ने रविवार को जब्बार का पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष पद से इस्तीफा स्वीकार कर लिया और उनके अधीन गठित समितियों को भंग कर दिया। यह कार्रवाई मुस्लिम नेताओं के एक समूह द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद की गई जिन्होंने दावणगेरे दक्षिण में आधिकारिक उम्मीदवार को हराने के लिए अपनी ही पार्टी के सदस्यों पर षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया था।

शिवकुमार ने एक विज्ञप्ति में कहा, दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के हालिया उपचुनाव में उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के मद्देनजर, विधान परिषद सदस्य अब्दुल जब्बार को कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। विधायक जब्बार दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहते थे लेकिन टिकट दिवंगत विधायक और पार्टी के दिग्गज नेता शमनूर शिवशंकरप्पा के पोते समर्थ मल्लिकार्जुन को मिल गया। शिवशंकरप्पा के निधन के कारण नौ अप्रैल को उपचुनाव कराया गया। इसी से संबंधित एक अन्य घटनाक्रम में, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को विधायक नसीर अहमद को राजनीतिक सचिव के पद से हटा दिया। अहमद पर उपचुनाव के दौरान कांग्रेस के खिलाफ काम करने का आरोप है।

दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के एक दिन बाद, 10 अप्रैल को कर्नाटक कांग्रेस में दरार पैदा हो गई। मुस्लिम नेताओं के एक समूह ने आरोप लगाया कि कुछ वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने दावणगेरे दक्षिण में आधिकारिक उम्मीदवार को हराने के लिए आंतरिक साजिश रची है, जहां अल्पसंख्यक समुदाय की अच्छी खासी संख्या है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने सभी पहलुओं पर विचार करने और मुस्लिम नेताओं को विश्वास में लेने के बाद समर्थ मल्लिकार्जुन को उम्मीदवार बनाया था। इसके बावजूद, एक अभियान चलाया गया जिसमें कांग्रेस पर अल्पसंख्यकों को टिकट न देकर धोखा देने का आरोप लगाया गया।

सिद्दरामय्या ने प्रधानमंत्री मोदी को ज्ञापन सौंप आरक्षण सहित 18 मुद्दों पर हस्तक्षेप का अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से 18 मुद्दों पर हस्तक्षेप करने का अनुरोध करते हुए एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें राज्य की 56 प्रतिशत आरक्षण नीति को संवैधानिक संरक्षण देने और घाटा अनुदान जारी करने की मांग भी शामिल है। सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य की योजनाओं को मंजूरी और धन जारी करने में केंद्र सरकार की ओर से बार-बार होने वाली देरी से व्यवस्थागत भेदभाव की धारणा पैदा हुई है।

मुख्यमंत्री ने संविधान की नौवीं अनुसूची में कर्नाटक के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति(एसटी) और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए 56 प्रतिशत आरक्षण संबंधी कानून को शामिल करने और एसटी की केंद्रीय सूची में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)की कुछ जातियों को शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने राजस्व घाटा अनुदान, बेंगलूरु को विशेष अनुदान जारी करने और मेकेदातु परियोजना को मंजूरी देने सहित अन्य पर जोर दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी बयान के मुताबिक मांड्या जिले के आदिचुंचनगिरि जाने के लिए प्रधानमंत्री शहर के एचएएल हवाई अड्डे पर पहुंचे थे और उसी समय मुख्यमंत्री ने उन्हें ज्ञापन सौंपा। सिद्दरामय्या ने मोदी को लिखे पत्र में कहा, कर्नाटक ने हमेशा जिम्मेदारी और दूरदर्शिता के साथ भारत के विकास में योगदान देने में गर्व महसूस किया है। हालांकि, मंजूरी और धन जारी करने में बार-बार होने वाली देरी ने प्रणालीगत असमानता की धारणा पैदा की है। इन चिंताओं को दूर करने से सच्चे सहकारी संघवाद की भावना मजबूत होगी और भारत के विकास के लिए हमारी साझा दृष्टि मजबूत होगी। उन्होंने कहा, कर्नाटक के लोग इन मुद्दों के समाधान में आपके हस्तक्षेप की आशा करते हैं। मुझे भरोसा है कि केंद्र सरकार कर्नाटक को भारत के समावेशी और सतत विकास में परिवर्तनकारी भूमिका निभाने में सक्षम बनाएगी।

सिद्दरामय्या ने कहा, हमारा राज्य प्रगतिशील और समावेशी भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक है और सहकारी संघवाद के आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है। उन्होंने कहा, हालांकि कर्नाटक राष्ट्रीय खजाने में सबसे बड़ा योगदान देने वालों में से एक है तथा आर्थिक और सामाजिक विकास में अग्रणी है, कुछ लंबे समय से लंबित मुद्दों पर केंद्र सरकार को तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि रेल बजट में घोषित कोलार रेलवे कोच फैक्टरी के लिए राज्य द्वारा 1,123 एकड़ भूमि की पेशकश के बावजूद इसे अमली जामा नहीं पहनाया गया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को पुनर्जीवित करने से पिछड़े कोलार क्षेत्र में औद्योगिक विकास और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। सिद्दरामय्या ने कहा कि प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में बेंगलूरु-मैसूरु खंड को शामिल करना संतुलित क्षेत्रीय विकास और संपर्क बढ़ाने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सम्मानपूर्वक केंद्र सरकार से बेंगलूरु उपनगरीय रेल परियोजना के लिए प्रतिबद्ध केंद्रीय सहायता जारी करने में तेजी लाने और कित्तूर कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक के प्रमुख जिलों को जोड़ने वाले बेंगलूरु-मुंबई हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर शुरू करने का आग्रह करता है। मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन के तहत सुरक्षित पेयजल तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 17,554 करोड़ रुपये के लंबित केंद्रीय अंश को जारी करने की मांग की।

सिद्दरामय्या ने कहा कि ग्राम पंचायतों को 15वें वित्त आयोग के तहत अनुदान जारी करने की सभी शर्तें पूरी करने के बावजूद कर्नाटक को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 2,860 करोड़ रुपये का अनुदान आंवटित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, ग्रामीण बुनियादी ढांचे और आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने के लिए समय पर राशि का आंवटन महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने इसी के साथ प्रधानमंत्री मोदी को सौंपे ज्ञापन में लंबित राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, राजस्व घाटा के मद में 5495 करोड़ रुपये जारी करने, बेंगलूरु जल संकट के समाधान के लिए मेकेदातु परियोजना और लंबित सिंचाई परियोजनाओं का मुद्दा भी उठाया।

बुधवार को बेंगलूरु के एचएएल हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से नौ संकल्प लेने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंडया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को लोगों से 'विकसित कर्नाटक और विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती और सेवा समेत नौ सामूहिक संकल्प लेने की अपील की। अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुए मोदी ने कहा कि उनका पहला आग्रह जल संरक्षण और बेहतर जल प्रबंधन को लेकर है। इसके बाद उन्होंने एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण, सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता, वोकल फॉर लोकल के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करने, रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती अपनाने, मोटे अनाज के साथ स्वस्थ भोजन करने और तेल के कम उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की। मोदी ने लोगों से योग और फिटनेस को अपनाने तथा सेवा भाव को बढ़ाने का भी आग्रह किया। उन्होंने मांड्या स्थित आदिचुंचनगिरि महासंस्थान मठ में श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर का उद्घाटन करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, यदि हम इन नौ संकल्पों पर ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें, तो हम तेजी से विकसित कर्नाटक और विकसित भारत की दिशा में प्रगति कर सकते हैं।

यह मंदिर पूज्य संत श्री बालगंगाधरनाथ महास्वामी की स्मृति में समर्पित एक स्मारक है, जो मठ के 71वें पीठाधीश्वर थे और प्रमुख वोक्कालिगा समुदाय द्वारा अत्यंत श्रद्धा से पूजे जाते हैं। मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल (एस) के प्रमुख एच डी देवेगौड़ा के साथ सौंदर्य लहरी और शिव महिम्न स्तोत्रम' नामक पुस्तक का भी विमोचन किया। 'मंदिर' के उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री ने ज्वाला पीठ का दौरा किया, जहां मान्यता के अनुसार भगवान शिव ने तपस्या की थी। मोदी ने श्री कालभैरवेश्वर स्वामी मंदिर में भी जाकर पूजा-अर्चना की। मोदी ने कर्नाटक की विशेषता बताने वाले तत्वज्ञान और तंत्रज्ञान के अनूठे संगम पर बल दिया।

उन्होंने बालगंगाधरनाथ महास्वामीजी जैसी प्रख्यात हस्तियों के गहन आध्यात्मिक मार्गदर्शन की सराहना की और वर्तमान नेतृत्व द्वारा इस विरासत को नए जोश के साथ आगे बढ़ाने की प्रशंसा की। उन्होंने दिवंगत संत के शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में योगदान पर प्रकाश डाला और बताया कि उनके मार्गदर्शन में स्थापित सैकड़ों संस्थानों से ग्रामीण और वंचित समुदायों को लाभ हुआ है।

मोदी ने कहा, स्वामी जी का मानना था कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा कुछ ही लोगों का विशेषाधिकार नहीं होना चाहिए, बल्कि हर नागरिक तक पहुंचनी चाहिए। सरकारी योजनाओं से तुलना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने करोड़ों गरीब नागरिकों के लिए मुफ्त इलाज संभव बनाया है और 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को भी सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए इन योजनाओं का विस्तार किया गया है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ पर्यावरण संरक्षण का मामला नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक चेतना से भी जुड़ा हुआ है।

विजयपुरा में 'रियल एस्टेट' कारोबारी की गोली मारकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में हमलावरों ने 48 वर्षीय एक रियल एस्टेट एजेंट की गाड़ी को कथित तौर पर टक्कर मारने के बाद उसपर गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि परिवार का संपत्ति विवाद संभवत: इसका मकसद हो सकता है।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान राजू करे के रूप में हुई है, जो 'एक फार्म' का मालिक था और रियल एस्टेट के कारोबार में कथित तौर पर शामिल था। यह घटना मंगलवार शाम चार बजे से 4:30 बजे के बीच विजयपुरा ग्रामीण थाना क्षेत्र के अंतर्गत आदिलाबाद गांव के पास हुई।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) लक्ष्मण निंबर्गी ने पत्रकारों से कहा, संभवत: 'कॉम्पैक्ट यूटिलिटी व्हीकल' (वाहन) के आने की सूचना मिलने के बाद ट्रक वहां आया और उसे टक्कर मार दी गई। उन्होंने बताया कि टक्कर के बावजूद पीड़ित व्यक्ति दुर्घटना में बच गया।

एसपी ने कहा, उन्होंने चालक की तरफ का दरवाजा तोड़ दिया, उस पर पथराव किया तथा गोलियां चलाईं। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच से संपत्ति को लेकर पारिवारिक विवाद की आशंका जताई जा रही है, हालांकि इसका सटीक मकसद फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

निंबर्गी ने कहा, हमें संदेह है कि यह परिवार के भीतर संपत्ति का विवाद हो सकता है। परिवार के सदस्यों से जानकारी प्राप्त करने के लिए हमें और समय चाहिए।

उन्होंने कहा, अब तक हमें लगभग तीन गोलियों के सबूत मिले हैं तथा हम अन्य जानकारी जुटा रहे हैं। सबूत जुटाने के लिए फोरेंसिक और जांच टीम को तैनात किया गया है। एसपी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की पहचान तथा गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

युवाओं में बढ़नी चाहिए इंसानियत, तभी बनेगा न्यायपूर्ण समाज : सिद्दरामय्या

अगर पूजा में इंसानियत नहीं है, तो उसका कोई फल नहीं मिलता। समाज को शोषण मुक्त बनाने के लिए हमें उस 'अपनेपन' की भावना को जगाना होगा जिसकी बात बसवन्ना ने की थी।

– सिद्दरामय्या, मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सामाजिक सुधार और एकता पर ज़ोर देते हुए कहा कि एक न्यायपूर्ण समाज का निर्माण तभी संभव है जब नागरिक स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के मूल्यों को गहराई से समझें। वे विधान सौधा में 'कन्नड़ हारमनी नेले' योजना के तहत कर्नाटक की विविध विरासत को दर्शाने वाली 41 पुस्तकों के विमोचन अवसर पर बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बुद्ध, बसवन्ना और बाबासाहेब अंबेडकर जैसे महापुरुषों ने समाज सुधार के निरंतर प्रयास किए। हालांकि संविधान लागू होने के बाद सुधार की गति बढ़ी है, लेकिन सामाजिक व्यवस्था में अब भी शत-प्रतिशत बदलाव आना बाकी है। उन्होंने जाति व्यवस्था को समाज की जड़ता बताते हुए कहा कि इसे खत्म करने के लिए हर व्यक्ति के पास आर्थिक और सामाजिक शक्ति होना अनिवार्य है।

उन्होंने 'मनुवाद' को जाति व्यवस्था को मज़बूत करने वाला कारक बताते हुए अफसोस जताया कि आज के पढ़े-लिखे लोग भी 'कर्म के सिद्धांत' जैसी रूढ़ियों में विश्वास करते हैं।

सिद्दरामय्या ने कहा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और इंसानियत के बिना शिक्षा केवल जीने का एक जरिया है, वास्तविक जीवन की सीख नहीं। उन्होंने युवाओं से वैचारिक और वैज्ञानिक सोच अपनाने की अपील की। समाज में बढ़ती नफरत पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी धर्म नफरत नहीं सिखाता। उन्होंने युवाओं को उन लोगों से सतर्क रहने की सलाह दी जो राजनीतिक लाभ के लिए समाज में वैमनस्य फैलाते हैं।

कन्नड़ विकास प्राधिकरण द्वारा विधानसभा में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बताया कि इस योजना के तहत कुल 100 किताबें प्रकाशित करने का लक्ष्य है, जिनमें से 59 पुस्तकें जल्द ही जारी की जाएंगी। इन पुस्तकों का उद्देश्य नई पीढ़ी को पंपा, कनकदास और कुवेम्पु जैसे महान विचारकों के आदर्शों से रूबरू कराना है। इस अवसर पर कन्नड़ एवं संस्कृति मंत्री शिवराज तंगड़गी, विधायक रिज़वान अरशद और साहित्यकार बारगुरु रामचंद्रप्पा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

वाणीविलास अस्पताल में नई डायलिसिस यूनिट की शुरुआत

बेंगलूरु। यहां आह्वान फाउंडेशन ने एपीटीआईवी कम्पोनेट इंडिया के साथ मिलकर यहां सरकारी वाणिविलास अस्पताल में अपनी 19वीं मॉडल डायलिसिस यूनिट स्थापित की है। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को सस्ती और सुलभ किडनी देखभाल प्रदान करना फाउन्डेशन का मुख्य उद्देश्य है। यह इकाई हर साल हजारों मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाला उपचार देगी। विशेष रूप से उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था (जैसे प्रीक्लेम्पसिया) के दौरान महिलाओं को अब अस्पताल के भीतर ही तुरंत डायलिसिस की सुविधा मिल सकेगी। आह्वाहन फाउंडेशन के संस्थापक ब्रज किशोर प्रधान और अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सविता सी ने इस पहल को चिकित्सा क्षेत्र की खाई को पाटने और जीवन रक्षक उपचार को सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु में रोडशो किया

नागरकोइल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले बुधवार को कन्याकुमारी जिले में रोडशो किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन और उनके पूर्ववर्ती के अन्नामलाई के साथ, मोदी एक सजे-धजे वाहन के ऊपर खड़े होकर सड़क के दोनों ओर कतार में बड़ी संख्या में खड़े लोगों का अभिवादन कर रहे थे। इस कस्बे में वेप्पामूडु जंक्शन से वडासेरी तक लगभग 1.5 किलोमीटर की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री पर लोगों ने फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए 23 अप्रैल को मतदान होगा।

महिला सुरक्षा के लिए हमारी सरकार सजग : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक कदम है, इससे महिलाओं की राजनीति में सहभागिता बढ़ेगी। इस अधिनियम से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा एवं शिक्षा, सुरक्षा, नीति निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर महिलाओं की सीधी भागीदारी होगी। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के माध्यम से प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में महिलाएं और अधिक योगदान निभा सकेंगी।

शर्मा बुधवार को बिडला ऑडिटोरियम में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि हमारा समाज और देश तभी प्रगति करेगा, जब महिलाएं हर क्षेत्र में भागीदारी निभाएंगी। हमारी सनातन संस्कृति में महिला सशक्तीकरण पर विशेष जोर दिया गया है। हमारी संस्कृति में हर क्षेत्र में महिलाओं को हमेशा आगे रखा गया है। उन्होंने कहा कि ये आधी आबादी घर को संभालने के साथ ही देश-प्रदेश के विकास में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही है। आज महिलाएं स्टार्टअप, शिक्षा, खेल, पुलिस से लेकर विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 के बाद महिलाओं के उत्थान को प्राथमिकता देते हुए जन धन योजना, नमो ड्रोन दीदी योजना और लखपति दीदी जैसी कई योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त कर नारी शक्ति को राष्ट्र की प्रगति का आधार बनाया है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के माध्यम से बालिका लिंगानुपात बढ़ा है तथा स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से घर-घर शौचालय बनाकर माता-बहनों को सम्मान दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर मकान आवंटित किए जाते हैं। वहीं, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन भी दिए गए हैं तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालयों का निर्माण करवाकर महिलाओं की गरिमा सुनिश्चित की गई है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और उनके सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में 20 लाख से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 16 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गईं। साथ ही, लाडो प्रोत्साहन योजना से अब तक 6 लाख 50 हजार से अधिक बालिकाओं को लाभान्वित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत दी जाने वाली 5 हजार रुपये की राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया है। मा वाउचर योजना से गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा मिल रही है। अब तक 4 लाख महिलाओं को लाभान्वित किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सुरक्षा के लिए 600 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट तथा 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन किया गया है। हमारी सरकार के कार्यकाल में महिला अपराधों के मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना के तहत अब तक एक हजार करोड़ रूपये से अधिक की सब्सिडी दी है। महिला दिवस और रक्षाबंधन पर निशुल्क यात्रा की सुविधा के साथ गार्गी पुरस्कार, साईकिल वितरण, स्कूटी वितरण जैसी योजनाओं से बालिकाओं को शिक्षा ग्रहण करने में मदद दी जा रही है।

शर्मा ने कहा कि युवाओं के लिए हमारी सरकार युवा नीति लाई है, जिससे उद्यमिता को बढ़ावा मिल सके। साथ ही, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत ब्याजमुक्त ऋण दिया जा रहा है। हमारी मंशा है कि युवा रोजगार प्राप्त करने के साथ रोजगार प्रदाता भी बनें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को सरकारी क्षेत्र में 4 लाख एवं निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने के लक्ष्य पर कार्य कर रही है। अब तक 1 लाख 25 हजार से ज्यादा नियुक्तियां दी जा चुकी हैं तथा 1 लाख 25 हजार नई सरकारी नौकरियों की भर्तियों का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। साथ ही, राइजिंग राजस्थान इंवेस्टमेंट समिट के माध्यम से भी युवाओं के लिए रोजगार के भरपूर अवसर सृजित किए गए हैं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की प्रत्येक योजना में नारी शक्ति केंद्र में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इस अधिनियम से आजादी के बाद पहली बार संसद और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने जा रहा है। आने वाले समय में यह अधिनियम देश में बड़ी सामाजिक क्रांति बन जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम से नीतियों में महिलाओं के दृष्टिकोण को प्राथमिकता मिलेगी तथा माता-बहनें देश की हर योजना एवं हर निर्णय में शामिल होगी।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में सिग्नेचर वॉल पर हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री के साथ छात्राओं ने सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी ली। इस अवसर पर महिला बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती मंजू बाघमार, सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, महिला एवं बाल विकास शासन सचिव श्रीमती पूनम सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं छात्राएं मौजूद रही।

दक्षिणी राज्यों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर गंभीरता से ध्यान दें मोदी : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया कि वह दक्षिणी राज्यों द्वारा उठाई गई परिसीमन की चिंताओं पर गंभीरता से ध्यान दें, अन्यथा यह मुद्दा संवेदनशील रूप ले सकता है। गहलोत ने जयपुर हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा कि दक्षिणी राज्यों के कई मुख्यमंत्रियों द्वारा व्यक्त की गई चिंताएं बढ़ती बेचैनी को दर्शाती हैं, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, दक्षिणी राज्यों के नेताओं द्वारा व्यक्त किए गए गुस्से और आशंकाओं को प्रधानमंत्री को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए। मैं यह जानबूझकर दोहरा रहा हूं कि यदि दक्षिण के लोग यह महसूस करने लगें कि उत्तर के लोग उनकी स्थिति कमजोर कर रहे हैं, तो हालात बिगड़ सकते हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए गहलोत ने कहा कि यह मुद्दे की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, उन्होंने 1950 और 60 के दशक के आंदोलनों जैसी स्थिति का संकेत दिया है। यह बहुत खतरनाक संकेत है और वहां की भावना की गहराई को दिखाता है। यह अत्यंत संवेदनशील मामला है। गहलोत ने कहा, सत्ता और विपक्ष दोनों ही महिला आरक्षण चाहते हैं। लेकिन जिस तरह से परिसीमन को आगे बढ़ाया जा रहा है, उस पर सवाल उठते हैं। 2021 में जनगणना क्यों नहीं कराई गई? अब अधिकारी कहते हैं कि इसे एक साल में पूरा किया जा सकता है।

गहलोत ने संसद की कार्यवाही के समय पर भी सवाल उठाए और सरकार पर जल्दबाजी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में चुनाव चल रहे हैं, फिर भी संसद बुलाई गई। विपक्षी नेताओं ने चुनाव खत्म होने तक इंतजार करने का सुझाव दिया था, लेकिन सरकार जल्दबाजी कर रही है। इससे उनकी नीयत पर संदेह होता है। उन्होंने 2011 की जनगणना को आधार बनाने पर भी सवाल उठाते हुए कहा, पहले कहा गया था कि नई जनगणना के आधार पर इसे लागू किया जाएगा। अब अचानक 2011 की जनगणना का हवाला दिया जा रहा है। यह असंगति उचित नहीं है।

गहलोत ने कहा कि केंद्र की रणनीति विपक्षी दलों को कठिन स्थिति में डालने की हो सकती है। उन्होंने कहा, यदि विधेयक पारित नहीं होता है तो दोष विपक्ष पर डाला जा सकता है। ऐसी रणनीति लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। केंद्र सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक संसद की विशेष बैठक बुलायी है, जिसमें महिला आरक्षण कानून में संशोधन और परिसीमन संबंधी मौजूदा कानून को बदलने वाले विधेयक पेश किए जाएंगे।

राज्यपाल ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के विचार आलोक में राज्यों के निवासियों से किया संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकभवन में बुधवार को हिमाचल प्रदेश, बिहार, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, दादर एवं नगर हवेली तथा दमन दीव का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इस दौरान इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के निवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनसे संवाद किया। राज्यपाल ने कहा कि लोक भवन में राज्यों के स्थापना दिवस 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को अनुभूत करना है। उन्होंने कहा कि भारत के राज्य विविधता में एकता की अनूठी संस्कृति लिए है। उन्होंने हिमाचल को भारत का भाल बताते हुए कहा कि हिमाचल तीर्थ भूमि है और राजनीतिक रूप से भी यह राज्य आरंभ से समृद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार प्राचीन भारत की संस्कृति से जुड़ा है।

यहीं से सम्राट अशोक ने विश्वभर में शांति का संदेश पहुंचाया। यहीं भगवान महावीर का जन्म हुआ, गुरु गोविन्दं सिंह का जन्म हुआ और यह राज्य पाटलीपुत्र के रूप में समृद्ध भारत का सदा से प्रतिनिधित्व करता रहा है। उन्होंने ओडिशा, अरुणाचल, मिजोरम, दादर एवं नगर हवेली और दमन-दीव से जुड़े इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि भारत राज्यों की विशेषताओं से ही विश्व की समृद्ध संस्कृति का राष्ट्र बना है।

राज्यपाल ने स्थापना दिवस पर विभिन्न राज्यों के लोगों से संवाद करते हुए उन्हें राजस्थान के विकास में भी अपनी भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने स्थापना दिवस से संबंधित राज्यों की समृद्ध संस्कृति, वीरता और ऐतिहासिक धरोहर को नमन करते हुए 'विकसित भारत' में सभी की समान भूमिका का भी आह्वान किया। इससे पहले विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए वहां के लोगों ने अपने राज्यों की विशेषताओं और राजस्थान से उनके संबंधों के बारे में विस्तार से बताया। राज्यपाल ने व्यक्तिशः सभी से संवाद करते हुए उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी उपस्थित रहे।

अभियंता परियोजना क्षेत्रों में करेंगे नियमित दौरे,फोटो सहित वास्तविक स्थिति की भेजनी होगी रिपोर्ट : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जल संसाधन विभाग प्रदेश में जल प्रबंधन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जल परियोजनाओं की बजट घोषणाओं और प्रगतिरत कार्यों को समयबद्ध धरातल पर उतार कर अंतिम छोर तक जल उपलब्धता के लिए मिशन मोड पर कार्य किए जा रहे हैं। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बुधवार को इंदिरा गांधी नहर भवन में विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए जल प्रबंधन परियोजना के कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं को गति देने के लिए जयपुर मुख्यालय पर जोनवार अभियंताओं के कैम्प लगाकर कार्य प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया जाए। कैम्पों में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार होने, विभिन्न अनुमतियों के मिलने में देरी और धरातल पर आ रही समस्याओं का समाधान भी निकालें।

रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा द्वारा जल प्रबंधन को लेकर नियमित समीक्षा की जा रही हैं। इसलिए परियोजनाओं को गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ समयबद्ध पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें। किसी भी तरह कोताही नहीं बरतें। रावत ने कहा कि अभियंता कार्ययोजना बनाकर अपने क्षेत्रों में प्रगतिरत सभी परियोजना क्षेत्रों का नियमित दौरा करें।

कार्यकारी एजेंसी के प्रतिनिधियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आमजन से संवाद किया जाए। रावत ने दौरे के फोटोग्राफ और वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट हर माह मुख्यालय भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यों में अनावश्यक देरी की जिम्मेदारी सम्बंधित अभियंताओं की तय की जाएगी।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि कार्यों में गुणवत्ता के लिए पाइप, सरिये, सीमेंट सहित अन्य सामग्री की नियमित जांच करें। उन्होंने परियोजनाओं के कार्यों में देरी के कारणों की रिपोर्ट मुख्यालय भेजने के साथ रियल टाइम मॉनिटरिंग कराने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने बताया कि विभाग द्वारा परियोजना क्षेत्र दौरे को लेकर एक विशेष ड्राइव चलाई जा रही है। इसमें अभियंता मौका निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। रावत ने सराहना करते हुए ड्राइव को नियमित कराने के निर्देश दिए।

बैठक में देवास, बागोलिया फीडर, अपर हाई लेवल कैनाल, खारी फीडर, पीपलखूंट हाई लेवल, गराड़िया एनीकट, थापरा एनीकट, खमेरा लघु सिंचाई, सेई बांध के अधिशेष पानी को जवाई बांध पहुंचाने के लिए सुरंग की क्षमता बढ़ाने, तहसील बारां में पार्वती नहर प्रणाली की पार्वती मुख्य नहर के सुदृढ़ीकरण, हथियादेह मध्यम सिंचाई परियोजना में बांध निर्माण कार्य, तकली मध्यम सिंचाई परियोजना में नहर निर्माण, परवन वृहद बहुददेशीय सिंचाई, गागरिन मध्यम सिंचाई, कालीतीर लिफ्ट स्कीम, धौलपुर लिफ्ट सिंचाई एवं पेयजल, ईसरदा, दोहरी लघु सिंचाई सहित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव भुवन भास्कर, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव (पश्चिम) अमरजीत सिंह सहित विभागीय उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त आईएएस सुबोध अग्रवाल 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

जयपुर। जल जीवन मिशन से जुड़े 960 करोड़ रुपये के घोटाला मामले में गिरफ्तार सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल को यहां की एक अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अग्रवाल को 10 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था और वे पुलिस हिरासत में थे। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को हिरासत की अवधि पूरी होने पर अग्रवाल को एसीबी अदालत में पेश किया। एसीबी ने अदालत से अग्रवाल की पुलिस हिरासत बढ़ाने का अनुरोध किया, लेकिन अग्रवाल के वकील ने आपत्ति जतायी और कहा कि अग्रवाल पहले ही एसीबी के सभी सवालों के जवाब दे चुके हैं।

अदालत ने एसीबी की मांग खारिज करके अग्रवाल को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सुबोध अग्रवाल के वकील वेदांत शर्मा ने कहा कि अग्रवाल ने एसीबी के साथ सहयोग किया है और सभी सवालों के जवाब दिए हैं, इसलिए आगे पुलिस हिरासत की आवश्यकता नहीं थी। वकील ने पत्रकारों से कहा कि अग्रवाल के कार्यकाल में केवल चार टेंडर आए थे।

क्यूआर फीडबैक और जीआईएस मैपिंग से आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करें : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल पर संचालित मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने विभागों एवं जिला कलेक्टर्स को सभी गतिविधियों को समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों एवं शहरी वार्डों के लिए डायनामिक मास्टर प्लान तैयार कर 15 मई तक पोर्टल पर अपलोड किए जाएं तथा नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से हर स्तर पर जवाबदेही और आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव बुधवार को सचिवालय में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अभियान की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने जिला कलेक्टर्स से संवाद कर उनके सुझाव, समस्याओं एवं अनुभवों की जानकारी ली और संबंधित विभागों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिला कलेक्टर्स को ग्राम सभा में अनिवार्य रूप से भाग लेने तथा जमीनी स्तर पर गतिविधियों की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने सभी जिला कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी को निर्देश दिए कि ग्राम सभा एवं वार्ड सभा के माध्यम से सुझाव संकलन, डेटा एंट्री, ऋखड मैपिंग और मास्टर प्लान तैयार करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। साथ ही, 20 अप्रैल तक फोकस ग्रुप डिस्कशन, 25 अप्रैल तक ड्राफ्ट मास्टर प्लान तथा 15 मई तक अंतिम मास्टर प्लान तैयार कर पोर्टल पर अपलोड सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को आमजन की भागीदारी बढ़ाने के लिए ठठ कोड आधारित फीडबैक प्रणाली विकसित करने तथा नवगठित ग्राम पंचायतों में ग्राम सेवकों की आईडी मैपिंग शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि अभियान का क्रियान्वयन सुचारू रूप से हो सके।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव आयोजना भवानी सिंह देथा ने बताया कि अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक जिले में पंचायती राज एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की संयुक्त टीमें गठित की गई हैं तथा जिला एवं ब्लॉक स्तर पर हेल्पडेस्क स्थापित किए गए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियमित प्रशिक्षण एवं डाउट क्लियरिंग सत्र भी आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान के लिए विकसित वेब पोर्टल के माध्यम से डेटा एंट्री, मॉनिटरिंग, ऋखड आधारित मैपिंग तथा मास्टर प्लान अपलोड की सुविधा उपलब्ध है, जबकि मोबाइल एप से जियो-टैग्ड फोटो अपलोड की व्यवस्था भी की गई है।

क्लीनमैक्स, संगम इंडिया ने राजस्थान में हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति के लिए साझेदारी की

नयी दिल्ली/जयपुर। क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस ने राजस्थान में अपने संचालन को कार्बन मुक्त करने के लिए संगम इंडिया के साथ साझेदारी की बुधवार को घोषणा की। शेयर बाजार को दी सूचना के अनुसार, संगम समूह की प्रमुख टेक्सटाइल इकाई संगम इंडिया का मुख्यालय राजस्थान के भीलवाड़ा में स्थित है। इस सहयोग के तहत राजस्थान में संगम की पांच इकाइयों को 30 मेगावाट सौर और 20 मेगावाट पवन ऊर्जा की आपूर्ति के लिए एक हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसे दो मेगावाट-घंटा बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) से सुदृढ़ किया जाएगा।

अधिकारियों ने बाल विवाह से दो लड़कियों को बचाया; किशोरी ने रुकवाई अपनी शादी

कोटा। बूंदी जिला प्रशासन ने बाल विवाह की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नाबालिग लड़कियों को बचाया। दोनों लड़कियों का 20 अप्रैल को विवाह होना था। एक नाबालिग लड़के के माता-पिता को भी तब तक उसका विवाह करने से रोक दिया गया, जब तक कि वह शादी की कानूनी उम्र पूरी नहीं कर लेता। अक्षय तृतीया के दौरान बड़ी संख्या में बाल विवाह की आशंका के मद्देनजर बूंदी जिला प्रशासन बेहद सतर्क है और उसने निगरानी बढ़ा रखी है। माना जाता है कि इस दिन जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में गुर्जर, सैनी, मीणा, बैरवा और कहार समुदायों में बड़ी संख्या में बाल विवाह होते हैं। बाल विवाह की योजना की गोपनीय सूचना मिलने पर तहसीलदार नरोत्तम, रायथल थाना प्रभारी हरलाल और 'चाइल्डलाइन' के एक संयुक्त दल ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए और दोनों स्थानों पर वैवाहिक कार्यक्रमों को रुकवा दिया। जांच में पता चला कि लड़कियों की उम्र 17 और 15 वर्ष है और वे क्रमशः कक्षा

12 और 10 की छात्राएं हैं। दोनों लड़कियों को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष पेश किया गया, जिसने उन्हें आगामी कानूनी निर्देशों तक आश्रय गृह भेजने का आदेश दिया। सीडब्ल्यूसी की अध्यक्ष सीमा पोद्दार ने बताया कि इस संबंध में कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि अदालत ने दोनों लड़कियों के माता-पिता को उनकी वैधानिक आयु पूरी होने तक विवाह कराने से रोकने के लिए निषेधाज्ञा की कार्यवाही शुरू कर दी है। एक अन्य महत्वपूर्ण मामले में बूंदी सदर थाना क्षेत्र के एक गांव की 12वीं कक्षा की 16 वर्षीय छात्रा ने अपनी शादी खुद रुकवाकर साहस का परिचय दिया। छात्रा ने मंगलवार सुबह सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष से संपर्क कर हस्तक्षेप की मांग की थी। उसने बताया कि वह अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती है, जबकि उसके माता-पिता ने एक मई को खानखेड़ा गांव में होने वाले एक सामूहिक विवाह सम्मेलन में उसकी शादी तय कर दी है। सूचना मिलते ही चाइल्डलाइन और स्थानीय पुलिस का दल मौके पर पहुंचा और उसे वहां से निकाला। पोद्दार ने बताया कि परिजनों के कड़े विरोध के बावजूद उनका दल नाबालिग को सुरक्षित ले जाने में सफल रहा। परामर्श के बाद नाबालिग को आश्रय गृह भेज दिया गया।

उत्तर प्रदेश में टाटा समूह की उपस्थिति होगी दोगुनी : चंद्रशेखरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश देश के सबसे संभावनाशील औद्योगिक राज्यों में एक है और आने वाले वर्षों में यहां टाटा समूह की उपस्थिति दोगुनी से अधिक होने जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश के लिए अनुकूल माहौल, बेहतर बुनियादी ढांचा और मजबूत नेतृत्व के कारण उद्योगों के विस्तार के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। चंद्रशेखरन ने राजधानी में टाटा मोटर्स की 10 लाखवीं बस के उत्पादन के अवसर पर यह बात कही।

एक बयान के मुताबिक, चंद्रशेखरन ने कहा कि उत्तर प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहा बुनियादी ढांचा, मजबूत नीतिगत समर्थन और निवेश के अनुकूल वातावरण इसे औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बना रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में विकास की गति स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। राज्य सरकार की नीतियों और सहयोग के कारण उद्योगों को विस्तार का बेहतर अवसर मिल रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में मौजूद अपार संभावनाएं, बढ़ती आर्थिक गतिविधियां और युवा कार्यबल इसे देश की वृद्धि का प्रमुख इंजन बनाने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में प्रदेश न केवल औद्योगिक, बल्कि तकनीकी और सामाजिक विकास के क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयों को छुएगा। उन्होंने कहा कि लखनऊ स्थित टाटा संयंत्र केवल एक औद्योगिक इकाई नहीं, बल्कि आपूर्तिकर्ताओं, भागीदारों और स्थानीय समुदाय के साथ विकसित एक सशक्त पारिस्थितिकी है, जो टाटा समूह और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच विश्वास और साझेदारी का प्रतीक है।

तृणमूल से पाई पाई वसूल करेगी भाजपा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को संकल्प जताया कि भाजपा, तृणमूल कांग्रेस द्वारा ''भ्रष्टाचार के माध्यम से बंगाल की जनता से लूटी गई एक-एक पाई वसूल करेगी।'' उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर दो दशकों तक सत्ता में रहने के बाद भी भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं है।

उत्तरी बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के राजगंज में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सत्ता से जाना ''निश्चित'' है, लेकिन इस प्रक्रिया को शुरू करने का काम राज्य के उत्तरी क्षेत्रों से शुरू होगा।

शाह ने कहा, ''मोदी ने गुजरात पर 12 साल शासन किया और केंद्र में भी पिछले 12 साल से नेतृत्व कर रहे हैं; फिर भी उनके खिलाफ एक पैसे तक का किसी भी भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा।'' शाह ने रैली में भीड़ को संबोधित करते हुए कहा, ''बंगाल में भाजपा को सत्ता में लाएं और तृणमूल नेताओं द्वारा लोगों से लूटे गए एक-एक पैसे को ब्याज समेत वसूला जाएगा।''

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आने के बाद तृणमूल नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करेगी, जिन्होंने 'शिक्षक भर्ती घोटाले में 300 करोड़ रुपए हड़पे' और उत्तर बंगाल के लिए केंद्र द्वारा स्वीकृत बाढ़ राहत कोष से '100 करोड़ रुपए चुराए।

'मोदी-नीतीश मॉडल' पर ही चलेगा बिहार : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को कहा कि राज्य का शासन 'मोदी-नीतीश मॉडल' पर ही आगे भी चलता रहेगा।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने चौधरी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। इससे एक दिन पहले लंबे समय तक इस पद पर रहे नीतीश कुमार ने इस्तीफा दे दिया था।

चौधरी ने कहा, मैं तुरंत राज्य की समृद्धि के लिए काम शुरू करूंगा। यह स्पष्ट रहना चाहिए कि बिहार 'मोदी-नीतीश मॉडल' पर ही शासित होता रहेगा।

बुधवार को बिहार के पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद सम्राट चौधरी को बधाइयों का तांता लग गया। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं ने विश्वास जताया कि राज्य तेजी से प्रगति करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में योगदान देगा।

राज्यसभा सांसद बन चुके नीतीश कुमार ने 'एक्स' पर चौधरी को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार तेजी से विकास करेगा और देश के सबसे विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने भी चौधरी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, सम्राट चौधरी बिहार के विकास के लिए कार्य करेंगे, जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने में मदद मिलेगी। नीतीश कुमार ने बिहार में कानून का राज स्थापित किया और विकास किया, जिसे नए मुख्यमंत्री आगे बढ़ाएंगे।

केजरीवाल ने ईडी की छापेमारी पर कहा

पंजाब में आगामी चुनाव के लिए अपनी ''तैयारियां'' शुरू कर दी हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अशोक कुमार मित्तल के खिलाफ छापेमारी किए जाने के बीच पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब में आगामी चुनाव के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर अपनी ''तैयारियां'' शुरू कर दी हैं।

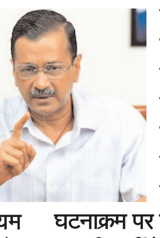

अधिकारियों के अनुसार, ईडी ने बुधवार को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत पंजाब और हरियाणा में 'आप' के राज्यसभा सदस्य अशोक कुमार मित्तल के कारोबारी और आवासीय परिसरों पर छापेमारी की।

केजरीवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मोदी जी ने पंजाब में चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। लेकिन पंजाब के लोग इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे... वे भाजपा को करारा जवाब देंगे।''

ईडी अधिकारियों के मुताबिक, जालंधर और गुरुग्राम में करीब 10 स्थानों पर फेमा के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। इसमें फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) और गुरुग्राम में स्थित इससे जुड़े दो शैक्षणिक संस्थान टेट्र कॉलेज ऑफ बिजनेस और मास्टर्स यूनियन कॉलेज ऑफ बिजनेस के परिसर भी शामिल हैं।

मित्तल को हाल ही में 'आप' का राज्यसभा में उपनेता नियुक्त किया गया है, जहां उन्होंने सांसद राघव चड्ढा की जगह ली है। 61 वर्षीय मित्तल फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति भी हैं। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए आम आदमी पार्टी के नेताओं ने भाजपा पर चुनाव से पहले केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। बहरहाल, भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी छापेमारी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपनी ''तैयारियां'' शुरू कर दी हैं, जहां फिलहाल 'आप' की सरकार है।

बहन को दो बोरा गेहूं देने से नाराज युवक ने की पिता की हत्या

बलिया (उप्र)/भाषा। बलिया जिले के रसड़ा क्षेत्र में अपनी बहन को दो बोरा गेहूं देने से नाराज एक व्यक्ति ने अपने पिता की लाठी से प्रहार करके कथित तौर पर हत्या कर दी और मां को जख्मी कर दिया। पुलिस उपाधीक्षक आलोक गुप्ता ने बताया कि रसड़ा थाना क्षेत्र के नत्थूपुर गांव में बुधवार को 75 वर्षीय महेंद्र चौहान का शव पाया गया था और पास से ही चौहान की पत्नी शैला देवी (68) घायल अवस्था में मिली थी। रसड़ा क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक आलोक गुप्ता ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को नियमानुसार कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया तथा शैला देवी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। गुप्ता के मुताबिक, महेंद्र चौहान ने अपनी बेटी को दो बोरा गेहूं दे दिया था, जिसका चौहान के बेटे पप्पू ने विरोध किया था। उन्होंने बताया कि दो दिन से चल रहे विवाद के दौरान मंगलवार को पप्पू ने अपने माताष्पिता पर लाठी से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि इस वारदात में चौहान की मृत्यु हो गई तथा शैला देवी गम्भीर रूप से घायल हो गई। गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

स्मृति ईरानी ने बंगाल में 'मातृ शक्ति भरोसा कार्ड' की शुरुआत की

तृणमूल सरकार को आड़े हाथ लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)की वरिष्ठ नेता स्मृति ईरानी ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने, वित्तीय कुप्रबंधन करने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने वादा किया कि अगर भाजपा राज्य की सत्ता में आती है तो प्रत्येक महिला को 3,000 रुपए की मासिक नकद सहायता दी जाएगी।

स्मृति ने 'मातृ शक्ति भरोसा कार्ड' की शुरुआत करने के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि पर्याप्त केंद्रीय सहायता के बावजूद, राज्य अब भी 'कट मनी की संस्कृति' से ग्रस्त है।

'मातृ शक्ति भरोसा कार्ड' पश्चिम बंगाल में भाजपा की एक पहल है जिसके तहत महिलाओं को प्रति माह 3,000 रुपए की प्रत्यक्ष नगद सहायता प्रदान की जाएगी। यह प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना के रूप में तैयार की गई है जिसका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना है। यदि पार्टी राज्य चुनाव जीतती है, तो इस मासिक सहायता के लिए लाभार्थियों का नामांकन करने हेतु इन कार्डों का उपयोग किया जाएगा।

गुरुग्राम की झुग्गी बस्ती में भीषण आग लगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा के गुरुग्राम में बुधवार तड़के सेक्टर 37डी की झुग्गी-झोपड़ियों में भीषण आग लग गई, जिससे एलपीजी सिलेंडर फट गए और दहशत फैल गई। दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने के लिए घंटों मशक्कत करनी पड़ी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, संभवतः कूड़े के ढेर के पास शॉर्ट सर्किट के कारण आग सबसे पहले एक खाली भूखण्ड में लगी और तेज हवाओं के कारण यह तेजी से आसपास की झुग्गियों में फैल गई। दूर से ही घना धुआं और आग की लपटें दिखाई दे रही थीं।

दमकल कर्मियों, पुलिस और नागरिक सुरक्षा टीमों ने घटनास्थल पर पहुंचकर कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

इस इलाके में पहले भी इसी तरह की घटना हो चुकी है और निवासियों का कहना है कि वे खाली भूखंडों में कचरा जमा होने से रोकने के लिए नियमित सफाई की मांग कर रहे हैं।

भारत के लिए सारे प्रारूप में खेलना वरदान है, चुनौती नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के हरफनमौला वॉशिंगटन सुंदर का मानना है कि क्रिकेट का कैलेंडर अति व्यस्त होने के कारण हर प्रारूप में खेलने वाले खिलाड़ी अब बिरले होते हैं लेकिन इस जमात का हिस्सा बनना खूबसूरत वरदान है, बड़ी चुनौती नहीं ।

भारत के लिए 2017 में पहली बार खेलने वाले सुंदर को कैरियर में कई बार चोटों का सामना करना पड़ा है । वह हालांकि पिछले 18 महीने से भारतीय टीम के नियमित सदस्य हैं ।

उन्होंने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा ,'' भारतीय क्रिकेट के लिए हर प्रारूप खेलना बड़ा वरदान है । हम सभी को पता है कि भारतीय टीम हमेशा किस तरह का क्रिकेट खेलती है ।'' उन्होंने कहा ,'' तीनों प्रारूप में खेलने का सौभाग्य मुझे मिला और आगे भी मैं अपनी ओर से योगदान देकर भारत के लिए अधिक से अधिक मैच जीतना चाहूंगा ।''

सुंदर ने टी20 विश्व कप में कुछ ही मैच खेले लेकिन टेस्ट क्रिकेट में अच्छा योगदान दिया है । आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेल रहे सुंदर ने कहा कि उन्होंने पिछले कुछ समय में अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है जिससे उन्हें विभिन्न प्रारूपों में नियमित मौके मिलते रहे हैं । उन्होंने कहा ,''मुझे बहुत ज्यादा चुनौतियां नहीं दिखती । फिटनेस की बड़ी भूमिका है और आपको समझना होगा कि अलग अलग हालात में शरीर कैसे काम करता है ।'' सीनियर आफ स्पिनर आर अश्विन के संन्यास के बाद उन्हें टेस्ट क्रिकेट में अधिक मौके मिलने लगे लेकिन छोटे प्रारूप में उन्हें बल्लेबाजी को निखारना पड़ा है ।

वह 'पागल' हैं राहुल गांधी : हिमंत

भुवनेश्वर/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को 'पागल व्यक्ति' करार दिया। उन्होंने यह टिप्पणी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा उन पर 'अपने राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों को परेशान करने के लिए सत्ता का दुरुपयोग करने' के आरोपों के जवाब में की। ओडिशा के पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में दर्शन करने के लिए यहां हवाई अड्डे पर आए शर्मा ने संवाददाताओं से बातचीत की। असम के मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी को चुनौती दी कि वह अपने पासपोर्ट का विवरण सार्वजनिक करें और बताएं कि उन्होंने किन-किन देशों की यात्रा की है। राहुल गांधी द्वारा शर्मा को 'देश का सबसे भ्रष्ट व्यक्ति' करार देने और पवन खेड़ा के समर्थन में पार्टी के खड़े होने का बयान दिए जाने के बाद पूर्वोत्तर राज्य के मुख्यमंत्री की यह तीखी प्रक्रिया आई है।

ममता सरकार की वजह से बंगाल के लोग केंद्रीय योजनाओं के लाभ से वंचित : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कालना/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की ओर से शुरू की गई कई कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पश्चिम बंगाल के लोगों को नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नीत सरकार ने राज्य में उनके कार्यान्वयन की अनुमति देने में आनाकानी की है।

सीतारमण ने कहा कि बंगाल के लोगों को जिन केंद्रीय योजनाओं के लाभ से वंचित किया जा रहा है, उनमें आयुष्मान भारत, पीएम किसान और आवास योजना शामिल हैं। उन्होंने दावा किया, तृणमूल कांग्रेस ने राज्य में आतंक का माहौल बना दिया है। पार्टी ने पश्चिम बंगाल को बर्बाद कर दिया है। आपके हिस्से की राशि दिल्ली में तैयार थी, लेकिन तृणमूल सरकार ने इसे राज्य में खर्च करने की अनुमति नहीं दी।

सीतारमण ने ममता सरकार पर बंगाल में कई योजनाओं के कार्यान्वयन के दौरान वित्तीय अनियमितताओं में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि राज्य में केवल सत्ताधारी पार्टी

के 'सिंडिकेट' का हिस्सा होने से ही लाभ सुनिश्चित हो सकता है।

वित्त मंत्री ने कहा, बंगाल के गरीब लोगों को पीडीएस (सार्वजनिक वितरण प्रणाली) योजना का लाभ नहीं मिल रहा, जिसके तहत केंद्र की ओर से मुफ्त राशन दिया जाता है। राज्य के मंत्री इसके लिए आवंटित धनराशि हड़प रहे हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल में स्कूल भर्ती और पीडीएस जैसे घोटाले हुए हैं, जिसके चलते केंद्रीय जांच एजेंसियों ने पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी और ज्योतिप्रिया मलिक को गिरफ्तार किया था।

चटर्जी और मलिक फिलहाल जमानत पर जेल से बाहर हैं।

सीतारमण ने पूर्व बर्धमान जिले के कालना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हथकरघा और बुनकर प्रकोष्ठ के सूती बुनकर सम्मेलन को संबोधित करते हुए, यहां तक कि छात्रों के लिए मध्याह्न भोजन योजना के तहत आवंटित राशि का भी लाभार्थियों के फर्जी नामों का इस्तेमाल करके दुरुपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के शासन में लोगों को हर काम करवाने या कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हासिल करने के लिए सिंडिकेट को रुपए देने पड़ते हैं।

सीतारमण ने कहा, राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि लोगों को सभी केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ नई सरकार की ओर से शुरू की जाने वाली नई योजनाओं का भी लाभ मिले। उन्होंने दावा किया कि इस बार विधानसभा चुनावों में बंगाल में 'सिंडिकेट राज' का खात्मा हो जाएगा।

पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच में रोहित शर्मा का खेलना संदिग्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रोहित शर्मा बृहस्पतिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुंबई इंडियन्स के इंडियन प्रीमियर लीग मैच से लगभग बाहर हो गए हैं और फिलहाल टीम का मेडिकल स्टाफ उनकी जांच कर रहा है।

पिछले रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के खिलाफ बड़े स्कोर वाले मैच के दौरान मुंबई इंडियन्स की पारी के छठे ओवर में रोहित को अपने पैर की मांसपेशियों में परेशानी महसूस हुई थी जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे।

जब रोहित 'रिटायर्ड हर्ट' होकर बाहर गए तब वह 13 गेंद पर 19 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके बाद मुंबई इंडियन्स यह मैच 18 रन से हार गई जो मौजूदा सत्र में टीम की लगातार तीसरी हार थी। बुधवार को मुंबई इंडियन्स के ट्रेनिंग सत्र के दौरान टीम के एक अधिकारी ने कहा, ''मेडिकल टीम और कोचिंग स्टाफ उनकी जांच कर रहे हैं और हमें जल्द ही पता चल जाएगा।''

इस बीच इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स जल्द ही मुंबई इंडियन्स से जुड़ने वाले हैं। वह मौजूदा सत्र में अब तक टीम के चारों मैच से बाहर रहे हैं और बृहस्पतिवार को भी नहीं खेल पाएंगे।

जैक्स और न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर (अब तक दो मैच खेले हैं) ने भारत में टीम से जुड़ने से पहले कुछ और समय मांगा था।

भाजपा ने पवन खेड़ा पर हमला तेज किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पर अपना हमला तेज कर दिया, जब शीर्ष अदालत ने तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें एक सप्ताह के लिए दी गई 'ट्रांजिट' अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी। सत्तारूढ़ दल ने आरोप लगाया कि उन्होंने ''अनावश्यक विवाद'' खड़ा किया और अब ''भगोड़े की तरह छिप रहे हैं।'' भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि खेड़ा को उच्चतम न्यायालय से ''करारा झटका'' लगा है और आरोप लगाया कि उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनकी पत्नी को निशाना बनाकर राजनीतिक रूप से प्रेरित अभियान चलाया था। पूनावाला ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सत्य की जीत हुई। पवन खेड़ा ने झूठे दावे किए और असम के बेटे-बेटी के खिलाफ पाकिस्तान प्रायोजित अभियान को अंजाम दिया।

पश्चिम बंगाल का पुराना गौरव हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी: राज्यपाल आरएन रवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने राज्य की खोई प्रतिष्ठा को फिर से हासिल करने के लिए बुधवार को सामूहिक प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने साथ ही लोगों से, खासकर युवाओं से सकारात्मक बदलाव में भागीदारी कर राज्य की ताकत को पुनर्स्थापित करने की अपील की।

रवि ने लोक भवन में 'पोइला बोइशाख' (बांग्ला नव वर्ष) के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल कभी देश के अग्रणी आर्थिक और बौद्धिक केंद्रों में शुमार था, लेकिन सथ ही राज्य की मौजूदा आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, स्वतंत्रता के समय और उसके बाद के दशकों में बंगाल देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल था। 1960 के दशक में राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में इसका योगदान 10 प्रतिशत से भी अधिक था। उस दौर में न तमिलनाडु, न कर्नाटक और न ही गुजरात इस तरह उभरकर सामने आए थे। यह उद्योग, उद्यम, बौद्धिकता और सांस्कृतिक जीवंतता से परिपूर्ण एक समृद्ध भूमि थी।''

दशकों में आए बदलावों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 1980 तक केवल चार राज्यों की प्रति व्यक्ति आय बंगाल से अधिक थी, लेकिन आज ऐसे राज्यों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। राष्ट्रीय आय में पश्चिम बंगाल की हिस्सेदारी 10.6 प्रतिशत से घटकर करीब पांच प्रतिशत रह गई है।

राज्यपाल ने कहा, पोइला बोइशाख 2026 संकल्प का दिन है। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। निराशा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल को जागना होगा और अपनी ऊर्जा व विरासत को फिर से हासिल करना होगा। यह मां दुर्गा की भूमि है। हम इसे पुनः गौरव दिलाएंगे।

राज्यपाल ने विश्वास जताया कि राज्य अपनी पुरानी पहचान फिर हासिल करेगा और भारत की वैश्विक विकास यात्रा में अग्रणी भागीदार बनेगा।

सुविचार

बदलाव संसार का नियम है। जो वक्त के साथ नहीं बदलता, वह पीछे छूट जाता है। नई चीजों को अपनाना सीखें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उर्वरक आत्मनिर्भरता का क्रांतिकारी मॉडल

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक एमएल जाट ने उर्वरक आयात पर देश की निर्भरता कम करने के लिए जो सुझाव दिए हैं, वे अत्यंत प्रासंगिक हैं। देश को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपने संसाधनों का विवेकपूर्वक इस्तेमाल करना होगा। भारत के पास ऐसी कई चीजें हैं, जिन्हें उर्वरकों में बदला जा सकता है। अगर सरकार योजना बनाए, विशेषज्ञों को जिम्मेदारी दे तो कुछ ही वर्षों में उर्वरक आयात पर निर्भरता कम हो सकती है। देश में 140 करोड़ से ज्यादा लोग रहते हैं। हमें इतनी बड़ी आबादी को अपनी ताकत बनाना चाहिए। अगर मानव अपशिष्ट से उर्वरक बनाया जाए तो खेती-बाड़ी की जरूरत के बहुत बड़े हिस्से की घरेलू आपूर्ति हो सकती है। इस काम को सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके से करना बहुत जरूरी है, ताकि स्वास्थ्य संबंधी कोई जोखिम न रहे। एक किसान अपना अनुभव कुछ यूं बताते हैं, 'हमारे गांव के बाहर एक खेत है। पहले, सभी लोग सुबह निवृत्त होने के लिए वहां जाते थे। जब बुआई का समय आता तो लोग वहां जाना बंद कर देते थे। उस खेत में (अन्य खेतों की तुलना में) फसल जोरदार होती थी।' अब घर-घर में शौचालय हैं, जो अच्छी बात है। खेतों के आस-पास बसावट भी काफी हो गई है। खुले में शौच जाने के साथ कई जोखिम जुड़े हैं। इससे कई बीमारियां फैलने का खतरा रहता है, इसलिए उस अस्वास्थ्यकारी प्रथा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज देशभर में शौचालयों की संख्या करोड़ों में है। क्या कोई ऐसी व्यवस्था हो सकती है, जिसके तहत निश्चित अवधि में शौचालयों से मानव अपशिष्ट लेकर उसे नजदीकी संयंत्र में पहुंचाया जाए और उससे उत्तम उर्वरक बनाया जाए?

मानव मूत्र में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटेशियम जैसे तत्त्व होते हैं। ये पौधों की जड़ों के विकास और फूल-फल बनने में मदद करते हैं। साथ ही, उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। वैसे तो मानव मूत्र को प्राकृतिक तरल उर्वरक कहा जाता है, लेकिन इसे पौधों में सीधे डालना हानिकारक हो सकता है। इसका उचित विधि से शोधन होना जरूरी है। इसके लिए वैज्ञानिकों की मदद लेनी चाहिए। अगर देश के विभिन्न क्षेत्रों में इसके संयंत्र लगाकर तरल उर्वरक बनाया जाए तो यह आत्मनिर्भरता की ओर बहुत बड़ा कदम होगा। भारत में रोजाना करोड़ों लीटर मानव मूत्र का उत्सर्जन होता है। यह बहुत बड़ा संसाधन साबित हो सकता है। इसमें वेस्ट टू वेल्थ बनने की भरपूर शक्ति एवं सामर्थ्य है। सोचिए, रोजाना कितनी मात्रा में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटेशियम जैसे लाभदायक तत्त्वों का नुकसान हो रहा है? अगर चार-पांच दशक पहले संग्रहण एवं शोधन के लिए संयंत्र लगाए जाते तो आज हमारा देश उर्वरकों का कितना बड़ा निर्यातक बन सकता था? इससे देश में स्वच्छता को बढ़ावा मिलता। भारत में आज भी कई जगह जूठा-बासी खाना फेंका जाता है। उसके साथ फलों-सब्जियों के छिलके फेंक दिए जाते हैं। शादी और बड़े आयोजनों के अगले दिन बासी खाने के ढेर लगे रहते हैं। वहां मक्खियां भिनभिनाती रहती हैं। आवारा पशु भी धमा-चौकड़ी मचाते हैं। कई सब्जी मंडियों में सड़े हुए फल-सब्जी यूं ही फेंक दिए जाते हैं। उनकी दुर्गंध से लोगों को बहुत परेशानी होती है। इसी तरह सूखी पत्तियां या तो जला दी जाती हैं या उनका एक जगह ढेर लगा दिया जाता है, जिसके बाद वे सड़ती रहती हैं। ये सभी चीजें उर्वरक क्रांति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। प्रकृति द्वारा दी गई कोई भी चीज अनुपयोगी नहीं होती। अगर वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ उसका इस्तेमाल किया जाए तो नतीजे लाभदायक होते हैं।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान का डेयरी सेक्टर आज न सिर्फ़ बढ़ रहा है, बल्कि आत्मनिर्भरता का एक मज़बूत उदाहरण बन रहा है। आधुनिक टेक्नोलॉजी, सशक्त नीतियों और हमारे मेहनती पशुपालकों के समर्पण से, हर गाँव में खुशहाली की एक नई कहानी लिखी जा रही है।

-भजनलाल शर्मा

लोकल बॉडी और पंचायत चुनाव न होना कॉन्स्टिट्यूशनल ब्रेकडाउन जैसा है; सरकार को बर्खास्त कर देना चाहिए। गवर्नर साहब और प्रेसिडेंट को दखल देना चाहिए। जिस तरह के लीगल वायलेशन वे कर रहे हैं, उसे देखते हुए यह सरकार कैसे चल सकती है?

-अशोक गहलोत

-एआईसीसी सेक्रेटरी और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के को-इन-चार्ज, रुत्विक मकवाना जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। आने वाला साल आपके लिए शुभ हो और आपके जीवन में ढेर सारी खुशियां और अपार सफलता लाए।

-सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

चुगली का पलटवार

चाणक्य के आश्रम में एक शिष्य था, जिसे दूसरों की बातें इधर-उधर पहुंचाकर आनंद मिलता था। उसकी एक आदत ने पूरे आश्रम का माहौल बदल दिया थाजहां पहले शांति थी, वहां अब छोटी-छोटी बातों पर विवाद होने लगे। एक दिन चाणक्य ने उसे पास बुलाया और बिना कुछ कहे एक तकिया थमा दिया। बोले 'जाओ, पूरे गांव में घूमो और इसकी रूई को हवा में उड़ाते जाओ।' शिष्य को यह अजीब लगा, लेकिन उसने वैसा ही किया। जब वह लौटकर आया, तो चाणक्य ने शांत स्वर में कहा'अब जाओ, उन सारे रूई के टुकड़ों को वापस इकट्ठा करके ले आओ।' शिष्य हंस पड़ा 'गुरुजी, यह कैसे संभव है? वे तो हवा में बिखर गए होंगे।' चाणक्य ने कहा 'जैसे ये रूई के टुकड़े हवा में फैलकर कभी वापस नहीं आ सकते, वैसे ही तुम्हारे शब्द भी लोगों के दिलों में फैल जाते हैं। तुम एक पल के आनंद के लिए जो चुगली करते हो, वही आनंद कभी तुम्हारे लिए पलटवार बनकर लौटता है। तब चाहकर भी तुम उसे समेट नहीं पाओगे।' यह सुनते ही शिष्य का सिर झुक गया। उसे समझ आ गया कि उसका 'आनंद' वास्तव में दूसरों के दर्द की कीमत पर था।

सामयिक

जबरन धर्मांतरण और उत्पीड़न के आरोपों से हिला कॉर्पोरेट तंत्र

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

कॉर्पोरेट दफ्तरों की जगमगाहट, कांच की ऊँची इमारतों का मोहक आभास और प्रोफेशनलिज़्म के बड़े-बड़े दावे-यदि इनके भीतर भय, शोषण और दबाव का अंधकार पलता हो, तो यह किसी एक कंपनी की चूक नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की गहरी असफलता का संकेत है। अप्रैल 2026 में नासिक स्थित एक आईटी इकाई (टीसीएस) से सामने आया प्रकरण इसी कड़वी सच्चाई को उजागर करता है, जहाँ महिला कर्मियों के सपनों को सुनियोजित ढंग से रौंद दिया गया। रोजगार, सम्मान और आत्मनिर्भरता की आकांक्षा लेकर आई इन महिलाओं को अपने ही कार्यस्थल पर ऐसे असहनीय दबावों का सामना करना पड़ा, जो किसी भी सभ्य समाज के मूल्यों के सर्वथा विपरीत हैं। यह मामला केवल यौन शोषण के आरोपों तक सीमित नहीं है; इसके भीतर भय, मानसिक उत्पीड़न, धार्मिक आस्था पर दबाव और अधिकारों के खुले दुरुपयोग की कहीं अधिक गंभीर परतें छिपी हुई हैं। सामने आई शिकायतों के अनुसार, कुछ वरिष्ठ कर्मचारियों ने महिला कर्मियों पर अनुचित प्रस्तावों, अश्लील टिप्पणियों और निजी संबंध बनाने के लिए निरंतर दबाव डाला। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो उन्हें पदोन्नति रोकने, नौकरी समाप्त करने और उनके निजी जीवन को बदनाम करने की धमकियाँ दी गईं। सत्ता और पद के बल पर किया गया यह आचरण केवल अनैतिकता की पराकाष्ठा नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से कानूनन दंडनीय अपराध है, जो किसी भी कार्यस्थल की गरिमा, सुरक्षा और विश्वास को पूरी तरह ध्वस्त कर देता है।

यह प्रकरण और भयावह तब बनता है, जब स्पष्ट होता है कि यह छिटपुट घटनाएँ नहीं, बल्कि लंबे समय से सक्रिय संगठित तंत्र का परिणाम था। पुलिस जांच और शिकायतों के अनुसार, आठ महिला कर्मचारियों की नौ एफ़आईआर्स में सामने आया कि टीम लीडर्स सहित वरिष्ठों ने 2022 से 2026 तक करीब चार वर्षों तक सुनियोजित ढंग से उन्हें निशाना बनाकर दबाव में रखा। पुलिस ने फरवरी से 40 दिन तक महिला पुलिसकर्मियों के जरिए अंडरकवर ऑपरेशन चलाकर साक्ष्य जुटाए। आरोप हैं कि निजी तस्वीरें-वीडियो से ब्लैकमेल करना, नमाज पढ़ने और गोमांस खाने को मजबूर करना, जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव

अब समय केवल औपचारिक प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि ठोस और निर्णायक सुधार का है। इस प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यापक जांच होनी चाहिए, दोषियों को कठोर दंड मिले और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के अनुपालन की स्वतंत्र ऑडिट पूरे आईटी क्षेत्र में कराई जाए।

और मानसिक रूप से तोड़ना-ये सब उसी तंत्र के औजार थे। यह स्थिति दिखाती है कि जब शक्ति का दुरुपयोग संस्थागत रूप ले लेता है, तो पीड़ितों के लिए आवाज उठाना कठिन और जोखिम भरा हो जाता है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चिंताजनक पक्ष मानव संसाधन विभाग की भूमिका पर उठते सवाल हैं। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के तहत हर संगठन में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) और समयबद्ध, निष्पक्ष जांच अनिवार्य है। इसके बावजूद आरोप हैं कि शिकायतों को नजरअंदाज किया गया, ईमेल और लिखित आवेदन दबाए गए, और पीड़ितों को चुप रहने के लिए मजबूर किया गया-यहाँ तक कि एक एचआर असिस्टेंट जनरल मैनेजर को भी अनदेखी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जिस विभाग पर कर्मचारियों की सुरक्षा और न्याय की जिम्मेदारी होती है, यदि वही निष्क्रिय या सहभागी दिखे, तो यह कानून की अवहेलना के साथ विश्वास का गंभीर हनन भी है।

चार वर्षों तक लगातार उठती शिकायतों के बावजूद कार्रवाई का अभाव यह स्पष्ट करता है कि समस्या कुछ व्यक्तियों तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की गहरी खामियों में जड़ें जमाए हुए थी। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के दिशानिर्देश स्पष्ट करते हैं कि 24 घंटे के भीतर संज्ञान लिया जाए और 90 दिनों में जांच पूरी हो, परंतु यहाँ इन प्रावधानों की खुलेआम अनदेखी की गई। यह मात्र लापरवाही नहीं, बल्कि कानूनी दायित्वों से बचने की प्रवृत्ति का संकेत देता है। ऐसे मामलों में देरी न केवल पीड़ित के मानसिक आघात को गहरा करती है, बल्कि आरोपियों के हौसले भी बढ़ाती है। जीरो टॉलरेंस की नीति का हवाला तब खोखला लगता है, जब सवाल उठता है कि वर्षों तक शिकायतें दबने और पीड़ितों की आवाज अनसुनी रहने के दौरान यह लागू क्यों नहीं हुई। टीसीएस द्वारा उच्च प्रबंधन स्तर पर जांच (सीओओ के निर्देशन में) के आदेश और आरोपियों का निलंबन आवश्यक कदम हैं, पर पर्याप्त नहीं-क्योंकि नेसेंट इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एम्प्लॉइज़ सीनेट ने श्रम मंत्रालय से पोश कंप्लायंस ऑडिट की मांग की है। जवाबदेही केवल निचले स्तर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए; उसे उन सभी स्तरों तक तय होना चाहिए जहाँ लापरवाही या मिलीभगत रही हो। कॉर्पोरेट संस्थानों की साख मुनाफे या छवि से नहीं, बल्कि कर्मचारियों की सुरक्षा, सम्मान, पारदर्शिता और विश्वास से बनती है।

यह घटना किसी एक कंपनी तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे आईटी क्षेत्र में कार्यस्थल की सुरक्षा पर गहरे और असहज प्रश्न खड़े करती है। क्या आधुनिक दफ्तर वास्तव में सुरक्षित हैं, या केवल बाहर से सजे-धजे और आकर्षक दिखते हैं? क्या महिलाओं और अन्य कर्मचारियों को अपने अधिकारों के लिए आज भी संघर्ष करना पड़ेगा? यह प्रकरण स्पष्ट करता है कि जब तक शिकायत तंत्र मजबूत, पारदर्शी और निष्पक्ष नहीं होगा, तब तक किसी भी कानून का प्रभाव सीमित और अधूरा ही रहेगा। कर्मचारियों के भीतर यह विश्वास होना चाहिए कि उनकी आवाज न दबेगी, न अनसुनी होगी-बल्कि उसे गंभीरता से सुना जाएगा और उन्हें समयबद्ध न्याय अवश्य मिलेगा।

अब समय केवल औपचारिक प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि ठोस और निर्णायक सुधार का है। इस प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यापक जांच होनी चाहिए, दोषियों को कठोर दंड मिले और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के अनुपालन की स्वतंत्र ऑडिट पूरे आईटी क्षेत्र में कराई जाए।

साथ ही मानव संसाधन तंत्र को स्पष्ट रूप से जवाबदेह बनाना और कर्मचारियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। कार्यस्थल केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और विश्वास का वातावरण होना चाहिए। यदि इस घटना से भी ठोस सबक नहीं लिया गया, तो यह महज़ एक और मामला बनकर रह जाएगा-और यह किसी भी समाज की सबसे बड़ी विफलता होगी।

नजरिया

केंद्र और राज्य के संबंधों के संदर्भ में भी यह बदलाव महत्वपूर्ण है। सम्राट चौधरी का नेतृत्व भाजपा के साथ सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है, जिससे केंद्र और राज्य के बीच समन्वय बढ़ने की संभावना है। दूसरी ओर नीतीश कुमार का राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश इस समन्वय को और मजबूत कर सकता है। यह स्थिति उस दौर की याद दिलाती है जब राज्य और केंद्र में एक ही गठबंधन की सरकार होने से नीति निर्माण और क्रियान्वयन में तेजी आई थी। यदि यह तालमेल बना रहता है तो बिहार को इसका लाभ मिल सकता है।

बिहार को मिला नया 'सम्राट'

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

बिहार की राजनीति में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में पहली बार भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री बनना केवल एक व्यक्ति का सत्ता में आना नहीं है, बल्कि यह उस राजनीतिक यात्रा का परिणाम है जो पिछले कई वर्षों से धीरे-धीरे आकार ले रही थी। 243 सदस्यीय विधानसभा में 2025 के चुनाव के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 202 सीटें मिलीं, जिनमें अकेले भारतीय जनता पार्टी के पास 89 सीटें थीं, जो उसे सबसे बड़ा दल बनाती हैं । यही संख्या अंततः उस दावे की बुनियाद बनी जिसके सहारे भाजपा ने नेतृत्व परिवर्तन का निर्णय लिया। सम्राट चौधरी का उदय अचानक नहीं हुआ। वे 2024 से उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य कर रहे थे और वित्त, गृह जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके थे।

इससे पहले वे विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके थे, जो उनके राजनीतिक अनुभव को दर्शाता है। उनका जन्म 1968 में मुंगेर जिले के एक राजनीतिक परिवार में हुआ और उनके पिता शकुनी चौधरी कई बार सांसद और विधायक रहे । यह पृष्ठभूमि उन्हें सामाजिक आधार और राजनीतिक नेटवर्क दोनों देती है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि वे लंबे समय तक भाजपा के मूल कार्यकर्ता नहीं रहे, बल्कि बाद में पार्टी में आए और तेजी से ऊपर उठे, जो यह दर्शाता है कि भाजपा ने उन्हें एक रणनीतिक चेहरा के रूप में विकसित किया।

नीतीश कुमार का राजनीतिक दौर बिहार में लगभग दो दशकों तक प्रभावी रहा। उन्होंने 2005 से लेकर 2026 तक अलग अलग अवधियों में राज्य का नेतृत्व किया और इस दौरान शासन की एक विशिष्ट शैली विकसित की। उनकी सरकार 20 नवंबर 2025 को बनी और 14 अप्रैल 2026 तक चली । इस लंबे कार्यकाल में उन्होंने प्रशासनिक स्थिरता, कानून व्यवस्था और बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया। अब जब वे पद से हटकर राष्ट्रीय स्तर की भूमिका की ओर बढ़ रहे हैं, तो यह सवाल उठता है कि क्या उनकी बनाई हुई संरचना को नई सरकार उसी तरह आगे बढ़ा पाएगी।

सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे निरंतरता और बदलाव के बीच संतुलन कैसे स्थापित करते हैं। उन्होंने स्वयं यह कहा है कि वे राज्य को विकास के नए आयाम पर ले जाने का प्रयास करेंगे । इसका अर्थ यह है कि वे पूरी तरह नई दिशा देने के बजाय पहले से चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाने की रणनीति अपनाएंगे। बिहार जैसे राज्य में जहां प्रशासनिक ढांचा धीरे धीरे स्थिर हुआ है, वहां अचानक बड़े बदलाव जोखिम भरे हो सकते हैं। इसलिए संभावना यही है कि नीति के स्तर पर निरंतरता बनी रहेगी, जबकि कार्यशैली में परिवर्तन दिखाई देगा।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू जातीय और सामाजिक समीकरण भी है। बिहार की राजनीति में पिछड़े वर्गों की भूमिका हमेशा निर्णायक रही है। सम्राट चौधरी कुशवाहा समुदाय से आते हैं, जो राज्य की बड़ी आबादी में शामिल है और जिसे राजनीतिक रूप से संगठित करने की कोशिश लंबे समय से होती रही है। भाजपा ने उन्हें आगे करके एक संदेश देने की कोशिश की है कि वह केवल पारंपरिक वोट बैंक तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि सामाजिक आधार का विस्तार करना चाहती है। यह कदम उस रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत पार्टी क्षेत्रीय नेतृत्व को मजबूत कर राष्ट्रीय राजनीति में भी संतुलन बनाना चाहती है।

नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी के बीच संबंध भी इस परिवर्तन को समझने में महत्वपूर्ण हैं। दोनों ने लंबे समय तक एक साथ काम किया और सम्राट चौधरी को दो बार उपमुख्यमंत्री बनाया गया। इससे यह संकेत मिलता है कि नेतृत्व परिवर्तन पूरी तरह टकराव का परिणाम नहीं है, बल्कि एक नियोजित प्रक्रिया का हिस्सा है। यह भी माना जा सकता है कि नीतीश कुमार ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में उन्हें अप्रत्यक्ष समर्थन दिया, जिससे सत्ता का संक्रमण सहज हो सके। यही कारण है कि इस बदलाव को केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के नजरिये से नहीं देखा जा सकता, बल्कि इसे साझेदारी के नए चरण के रूप में समझना चाहिए।

इस परिवर्तन के साथ बिहार की राजनीति में तुलना का आधार भी बदल जाएगा। अब तक राज्य में विकास और शासन की चर्चा लालू प्रसाद और नीतीश कुमार के संदर्भ में होती थी। लेकिन अब यह तुलना सम्राट चौधरी और नीतीश कुमार के बीच होगी। यह बदलाव केवल व्यक्तियों का नहीं बल्कि राजनीतिक विमर्श का भी है। अब यह देखा जाएगा कि क्या नई सरकार उसी गति से विकास कर पाती है या उससे आगे निकलती है। यदि ऐसा नहीं होता है तो विपक्ष को सरकार पर सवाल उठाने का मजबूत आधार मिल जाएगा।

विपक्ष की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण होगी। राष्ट्रीय जनता दल और उसके नेता तेजस्वी यादव पहले ही इस बदलाव को जनादेश के खिलाफ बता रहे हैं। इससे यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में राजनीतिक संघर्ष और तीखा होगा। विपक्ष यह दिखाने की कोशिश करेगा कि यह बदलाव जनता की इच्छा के बजाय राजनीतिक समीकरणों का परिणाम है, जबकि सत्तारूढ़ गठबंधन इसे विकास और स्थिरता के लिए जरूरी कदम के रूप में प्रस्तुत करेगा।

केंद्र और राज्य के संबंधों के संदर्भ में भी यह बदलाव महत्वपूर्ण है। सम्राट चौधरी का नेतृत्व भाजपा के साथ सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है, जिससे केंद्र और राज्य के बीच समन्वय बढ़ने की संभावना है। दूसरी ओर नीतीश कुमार का राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश इस समन्वय को और मजबूत कर सकता है। यह स्थिति उस दौर की याद दिलाती है जब राज्य और केंद्र में एक ही गठबंधन की सरकार होने से नीति निर्माण और क्रियान्वयन में तेजी आई थी। यदि यह तालमेल बना रहता है तो बिहार को इसका लाभ मिल सकता है।

हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। बिहार की अर्थव्यवस्था, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में अभी भी सुधार की बड़ी जरूरत है। सम्राट चौधरी के सामने यह अवसर भी है और परीक्षा भी कि वे इन क्षेत्रों में ठोस परिणाम दिखा सकें। यदि वे केवल राजनीतिक संतुलन बनाए रखने में ही उलझे रहते हैं तो उनकी सरकार पर प्रश्नचिह्न लग सकते हैं। दूसरी ओर यदि वे प्रशासनिक दक्षता और विकास के नए मानक स्थापित करते हैं तो वे अपनी अलग पहचान बनाने में सफल हो सकते हैं।

समग्र रूप से देखा जाए तो बिहार में यह बदलाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि राजनीतिक संरचना के पुनर्गठन का संकेत है। इसमें निरंतरता और परिवर्तन दोनों के तत्व मौजूद हैं। एक ओर नीतीश कुमार की विरासत है, दूसरी ओर भाजपा की नई रणनीति और सम्राट चौधरी का नेतृत्व। आने वाला समय यह तय करेगा कि यह प्रयोग कितना सफल होता है और क्या यह बिहार की राजनीति को नई दिशा दे पाता है। फिलहाल इतना निश्चित है कि राज्य एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है जहां पुरानी विरासत और नई आकांक्षाएं एक साथ चलेंगी।।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

‘यह महिलाओं के लिए नए युग की शुरुआत’, महिला आरक्षण बिल पर कंगना रनौत का बयान

दिल्ली/एजेन्सी

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर मनोरंजन जगत की कई अभिनेत्रियों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए समर्थन जताया। इस ऐतिहासिक बिल को महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने का बड़ा कदम माना जा रहा है। अभिनेत्री कंगना रनौत ने के साथ खास बातचीत में इस बिल को 'ऐतिहासिक' बताते हुए प्रधानमंत्री की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह कानून महिलाओं के लिए एक नए युग की शुरुआत है। कंगना ने कहा, यह बिल महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और राजनीति व सत्ता के पदों पर उन्हें समान भागीदारी देगा। महिलाओं को अच्छे-अच्छे पदों पर जगह मिलेगी। हमारा सौभाग्य है कि हम इस इतिहास का हिस्सा बन रहे हैं। विपक्ष की आलोचना पर कंगना ने कहा कि यह काम पीएम मोदी की वजह से ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा, विपक्ष ने तो हमेशा इस बिल को रोकने की कोशिश की है। इसलिए यह कोई हैरानी की बात नहीं है कि वे इसमें टांग अड़ाने की कोशिश न करेंगे।

वहीं, अमीषा पटेल ने भी बिल का भरपूर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं ही आम लोगों की असली समस्याओं और घर-परिवार से जुड़ी परेशानियों को बेहतर तरीके से समझ सकती हैं। उन्होंने कहा, देश की प्रगति के लिए महिलाओं की आवाज सुनना बहुत जरूरी है। जब भी किसी क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति होती है और उन्हें ज्यादा समर्थन मिलता है, तो मुझे बहुत खुशी होती है। चाहे नौकरी हो या संसद, जब उनकी आवाज सुनी जाती है और उन्हें मौके दिए जाते हैं, तो यह अच्छा लगता है। 33 प्रतिशत आरक्षण होना चाहिए। महिलाओं का समर्थन करना बेहद जरूरी है। मैं इसका पूरा समर्थन करती हूं।

फेमिना मिस इंडिया हरियाणा की विजेता देबास्मित ने भी बिल को महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और संसद को ज्यादा समावेशी बनाने वाला कदम बताया। उन्होंने कहा, हमारे वेदों में भी महिलाओं को समाज का अभिन्न अंग माना गया है। सरकार द्वारा लाया गया यह आरक्षण विधेयक बहुत महत्वपूर्ण कदम है। यह न सिर्फ महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देगा, बल्कि संसद को और ज्यादा समावेशी बनाएगा। हम एक विविधतापूर्ण देश हैं, इसलिए हर किसी की राय को समान महत्व देना जरूरी है। उन्होंने तीन दिवसीय चर्चा में समावेशिता पर जोर देते हुए कहा, चाहे आदिवासी महिलाएं हों या गैर-आदिवासी, अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों से आने वाली महिलाओं की बात होनी चाहिए। यह हमारे देश के विकास की दिशा में एक बहुत सुंदर कदम है।

संबोधन

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बुधवार को नई दिल्ली में इंडियाब्लॉक मीटिंग के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए। इस अवसर पर तेजस्वी यादव, कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल और अन्य लोग भी दिख रहे हैं।

अनिल कुंबले से अचानक हुई अनुपम खेर की मुलाकात

मुंबई/एजेन्सी

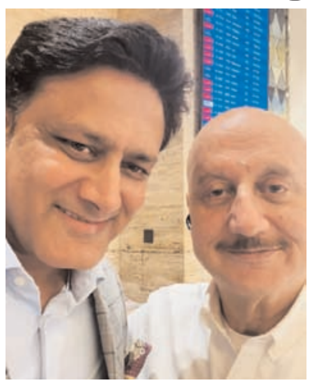

अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट कर प्रशंसकों को जानकारी देने के साथ ही एंटरटेन भी करते रहते हैं। लेटेस्ट पोस्ट में उन्होंने 'सुखद आश्चर्य' की झलक दिखाई। खेर ने बताया कि एयरपोर्ट पर उनकी अचानक से पूर्व क्रिकेट कैप्टन अनिल कुंबले से हुई। अनुपम खेर की मुंबई एयरपोर्ट पर भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान अनिल कुंबले से अचानक मुलाकात हो गई। इस मुलाकात को अभिनेता ने बेहद खास बताया और कुंबले की शालीनता, विनम्रता और भारतीय संस्कृति से उनके गहरे जुड़ाव की खूब सराहना की। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर इस मुलाकात की तस्वीर पोस्ट की। फोटो में दोनों की सेल्फी है और पोस्ट में मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनल का जियोटैग भी है। अनुपम ने लिखा, एयरपोर्ट पर अनिल कुंबले से अचानक मुलाकात हुई, यह कितना सुखद आश्चर्य रहा! पूरी दुनिया उन्हें भारत के महान क्रिकेटर के रूप में जानती है। 619 टेस्ट विकेट लेने वाले इस दिग्गज गेंदबाज ने मुझे एक बार फिर यह एहसास दिलाया कि वह कितने अद्भुत इंसान हैं, वह शालीन, जमीन से जुड़े और गरिमा से भरपूर इंसान हैं।

अनुपम खेर ने बताया कि हाल ही में उन्हें अनिल कुंबले और उनकी पत्नी चेतना द्वारा किए गए एक सुंदर संस्कृत पाठ को सुनने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा, यह अनुभव बेहद भावुक कर देने वाला था। इससे मेरे मन पर गहरी छाप पड़ी। अनुपम ने अपनी पोस्ट में लिखा, आज के समय में जब हम अपनी जड़ों से दूर भाग रहे हैं, तब कुंबले और चेतना पूरी निष्ठा से हमारी संस्कृति को संवार रहे हैं और उसका उत्सव मना रहे हैं। वे सचमुच हमारी विरासत के सांस्कृतिक दूत हैं। अनुपम खेर की पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए कुंबले ने लिखा, आपसे मिलकर भी कितनी सुखद हैरानी हुई अनुपम खेर जी। हमने हमेशा, इन वर्षों में आपके शानदार काम का आनंद लिया है। आपका हमेशा मुस्कुराता हुआ और विनम्र स्वभाव हर किसी को आपके आसपास सहज महसूस कराता है। आपके उदार शब्दों के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। अनिल कुंबले को क्रिकेट जगत में 'जंबो' के नाम से जाना जाता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका-ईरान के कानूनी मतभेद गहराए, वैश्विक समुद्री व्यवस्था पर असर

रोड आइलैंड/एजेन्सी

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच कानूनी मतभेद गहराते जा रहे हैं, जिससे इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग की स्थिति जटिल बनी हुई है और वैश्विक व्यापार पर भी इसका असर पड़ सकता है।भौगोलिक रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य एक संकीर्ण समुद्री मार्ग है, जो दो बड़े समुद्री क्षेत्रों को जोड़ता है और जिसके जरिए विश्व के करीब 20 प्रतिशत तेल का परिवहन होता है। हालांकि, इसकी राजनीतिक और कानूनी स्थिति को लेकर स्पष्ट सहमति नहीं है। अमेरिका इस जलडमरूमध्य को पूर्ण रूप से अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग मानता है, जबकि ईरान इसे अपने जल क्षेत्र का हिस्सा बताता है। इस कारण दोनों देशों के बीच नियमों की व्याख्या को लेकर गंभीर मतभेद हैं।

इसी संदर्भ में, ईरान द्वारा जहाजों से 'टोल' (शुल्क) वसूली को अमेरिका अवैध करार दे रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जलडमरूमध्य में नाकेबंदी की कार्रवाई को ईरान अपनी संप्रभुता का गंभीर उल्लंघन बता रहा है। समुद्री कानून के विशेषज्ञों के अनुसार, विवाद की जड़ अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों की अलग-अलग व्याख्या में निहित है। 'लॉ ऑफ द सी' यानी समुद्री कानून अंतरराष्ट्रीय नियमों, परंपराओं और समझौतों का ऐसा ढांचा है, जो महासागरों में पहुंच, नियंत्रण और अधिकारों को निर्धारित करता है।

इस ढांचे का प्रमुख आधार 1982 में तैयार और 1994 से लागू संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) है, जिसका उद्देश्य समुद्री क्षेत्रों के उपयोग को लेकर एक स्थिर और सर्वमान्य व्यवस्था बनाना है। इस संधि को 171 देशों और यूरोपीय संघ ने अनुमोदित किया है, लेकिन अमेरिका और ईरान ने इसे स्वीकार नहीं किया है। ईरान ने इस पर हस्ताक्षर तो किए हैं, पर इसे अनुमोदित नहीं किया, जबकि अमेरिका ने न तो हस्ताक्षर किए हैं और न ही अनुमोदन।

ईरान का मानना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर यूएनसीएलओएस से पहले के अंतरराष्ट्रीय कानून लागू होते हैं, विशेष रूप से 1949 के 'कॉर्फू चैनल' मामले में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का निर्णय और 1958 का क्षेत्रीय सागर समझौता। इन प्रावधानों के तहत विदेशी जहाजों को 'सीधा मार्ग' (इनोसेंट पैसेज) का अधिकार प्राप्त है, जिसका अर्थ है कि वे किसी अन्य गतिविधि के बिना और तटीय देशों की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाए बिना गुजर सकते हैं।

इन नियमों के तहत ईरान और ओमान को समुद्री मार्ग के उपयोग को लेकर कुछ नियम बनाने और लागू करने का अधिकार है, जैसे सुरक्षा और पर्यावरण संबंधी प्रावधान। हालांकि, उन्हें सीधे मार्ग को अवरुद्ध करने का अधिकार नहीं है। इसके विपरीत, ईरान अपने जल क्षेत्र के हिस्से में मार्ग को निलंबित करने का अधिकार भी जताता है, जो 1958 की संधि के प्रावधानों के विपरीत है, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय जलडमरूमध्य में 'इनोसेंट पैसेज' को रोका नहीं जा सकता।

बादशाह ने रिलीज किया ‘टटीरी’ फिर से, हटाए सभी विवादित लिरिक्स

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी सिंगर बादशाह का 'टटीरी फिर से' रिलीज हो गया है। टटीरी के बैन के बाद सिंगर ने लिरिक्स में बदलाव करके गानों को दोबारा रिलीज किया है। इस बार सिंगर ने हरियाणा की अनूठी संस्कृति को आधुनिक हिप-हॉप को मिलाकर गाना बनाने की कोशिश की है, और इस गाने के ट्रैक को राज्य स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियन सिमरन जागलान ने अपनी आवाज दी है। बादशाह ने गाने को संस्कृति, ताकत और स्वैग का मिश्रण बताया और गाने को सिर्फ एक गाना नहीं, एक अलग ही एहसास बताया है। गाने में कुछ ज्यादा बदलाव नहीं किए गए हैं। गाने के पहले रैप को हटा दिया गया है, जिसमें पहले लड़कियों को लेकर अपशब्द कहे गए थे। इसकी जगह सिंगर ने गाने के बैन के बाद अपने कमबैक को शब्दों में पिरोकर पेश किया है। गाने से स्कूल की ड्रेस में डांस कर रही लड़कियों को हटा दिया गया है और बस वाले सीन भी गायब हैं। गाने में हरियाणा के बुजुर्गों के स्वैग के साथ और कुछ नए डांस वीडियो को जोड़कर गाने को पूरा किया गया है।

पूरे गाने में सिंगर ने अपने कमबैक और जलवा दिखाने की बात की है। सोशल मीडिया पर गाने को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है और फैंस भी गाने को हरियाणा का डांसिंग नंबर बता रहे हैं।बता दें कि बादशाह के 'टटीरी' गाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया था कि उन्हें पहले सोशल मीडिया और फिर हरियाणा राज्य महिला आयोग के सामने पेश होकर माफी मांगनी पड़ी थी। गाने में महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया था और बिना इजाजत के सरकारी स्कूल की ड्रेस और बसों का इस्तेमाल किया गया। हरियाणा राज्य महिला आयोग ने सरकारी स्कूल की ड्रेस और सरकारी बसें प्रोवाइड कराने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की थी। सिंगर के खिलाफ हरियाणा में दो जगह एफआईआर भी दर्ज हुई थी। रिलीज के कुछ दिन बाद ही गाने को सोशल मीडिया से बैन कर दिया गया। हालांकि तीन पहले ही बादशाह ने 'टटीरी फिर से' को रिलीज करने का ऐलान किया था। इससे पहले सिंगर ने लंदन के ओ-2 एरिना में भी परफॉर्म किया था, जिसकी डॉक्यूमेंट्री भी रिलीज हुई थी।

मेरी सफलता की आवाज थीं आशा : जीनत अमान

नयी दिल्ली/भाषा। दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान ने आशा भोसले के गानों को अपनी सफलता का आधार बताते हुए कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात थी कि आशा जी ने उनके करियर के कई हिट गाने गाए।आशा भोसले का रविवार सुबह 92 वर्ष की आयु में ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था।आशा भोसले ने जीनत अमान पर फिल्माए गए कई लोकप्रिय गीतों को अपनी आवाज दी थी, जिनमें 1971 की फिल्म 'हरे रामा हरे कृष्णा' का दम मारो दम, 1979 की 'द ग्रेट गैम्बलर' का दो लफ़्ज़ों की है दिल की कहानी और 1973 की 'यादों की बारात' का मेरी सोनी, मेरी तमन्ना शामिल हैं। जीनत अमान ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा कर आशा भोसले को श्रद्धांजलि दी। अभिनेत्री ने कहा कि चुरा लिया है तुमने और दम मारो दम जैसे गीतों से आशा भोसले की आवाज ने कई पीढ़ियों को मोहित किया। जीनत अमान ने अपने पोस्ट में लिखा, आज मैं एक महान प्रतिभा के खोने का शोक मना रही हूं। आशा जी की आवाज ने कई पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध किया, और यह मेरा सौभाग्य था कि उन्होंने मेरे लिए इतने गीत गाए। 'दम मारो दम', 'चुरा लिया', 'दो लफ़्ज़ों की', 'मेरी सोनी, मेरी तमन्ना', 'खतूबा' यह सूची लंबी है। कहा जा सकता है कि आशा जी ने मेरी सफलता की धुन मुझे उपहार में दी। मैंने कितने घंटे उनकी आवाज़ सुनते हुए बिताए हैं और उनके गीतों पर लिप-सिंक करने से मुझे कितना प्यार मिला है।

अभिनेत्री ने आशा भोसले की अपने काम के प्रति समर्पण की भी सराहना की और एक घटना का जिक्र किया, जब दोनों को कोलकाता में एक कार्यक्रम में शामिल होना था। उन्होंने बताया कि आशा भोसले एक दिन पहले दुर्घटना का शिकार हो गई थीं, जिसके कारण उनके शरीर पर चोट के निशान थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने मंच पर प्रस्तुति दी। अमान ने कहा, जब आशा जी कार्यक्रम में पहुंचीं तो मैं उनके शरीर पर चोट के निशान देखकर हैरान रह गई। लेकिन उन्होंने अपने पेशेवर दायित्व को निभाने का संकल्प लिया और मंच पर शानदार प्रस्तुति दी। उस समय वे 80 वर्ष से अधिक उम्र की थीं, फिर भी उन्होंने कई घंटों तक दर्शकों को बांधे रखा।

रैली

नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम, महिला आरक्षण कानून के समर्थन में एक रैली में प्लेकार्ड पकड़े महिलाएं हिस्सा लेती हुई।

निकिता पोरवाल का महिला सशक्तीकरण बिल को समर्थन

अहमदाबाद/एजेन्सी

फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 का खिताब जीतने वाली निकिता पोरवाल ने महिला सशक्तीकरण बिल को लेकर अपना समर्थन जताया। उन्होंने मंगलवार को अहमदाबाद में शॉपिंग फिल्म फेस्टिवल के दौरान के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने इस बिल को देश के लिए एक सकारात्मक और जरूरी कदम बताया। निकिता ने कहा, मेरा मानना ङ्कङ्कहै कि हम एक ऐसे देश में रहते हैं, जहां महिलाओं की पूजा की जाती है। उन्हें हमेशा से ही एक खास सम्मानजनक स्थान दिया गया है। इसलिए संसद में इस बिल पर चर्चा बहुत अच्छा कदम है। मैं इस पहल के लिए सभी को शुभकामनाएं देना चाहती हूं और आशा करती हूं कि सभी लोग इस पर बढ़-चढ़कर समर्थन करें। उन्होंने आगे कहा, इस बिल से कई महिलाओं को और मजबूती मिलेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि इसके परिणाम बहुत अच्छे और सुखद होंगे।

अभिनेत्री ने भुवनेश्वर में 18 अप्रैल को होने वाले आयोजन का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि देश के 30 राज्यों से विजेता वडोदरा पहुंच चुके हैं। निकिता कहती हैं, यहां बहुत भव्य तैयारी चल रही है।

18 तारीख को यहां एक बड़ा कार्यक्रम होने वाला है। मैं सभी से अपील करती हूं कि आप इन विजेताओं का मनोबल बढ़ाएं, उनका सहयोग करें और उनकी मेहनत को देखें। यहां पर मैं विजेता को क्राउन पहनाऊंगी और वे आगे चलकर मिस फैमिना का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्होंने उड़िया नव वर्ष की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। निकिता ने कहा, मिस फैमिना और मेरी तरफ से सभी को उड़िया नव वर्ष की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मैं उम्मीद करती हूं कि नया साल सबके जीवन में तरक्की, प्रगति और ढेर सारी खुशियां लाएगा।

निकिता ने गुजरात में दोबारा आने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने के साथ बातचीत में गुजरात को अपना दूसरा घर बताया। उन्होंने कहा, मेरा जन्म उज्जैन में हुआ था, लेकिन असली कला और अपनी पहचान मुझे गुजरात में मिली। मैंने वडोदरा में कला सीखी। महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी से मैंने रंगमंच में ग्रेजुएशन पूरा किया है। गुजरात आने पर मुझे हमेशा बहुत खुशी महसूस होती है।

टॉक्सिक कोई टाइपिकल गैंगस्टर कहानी नहीं है : यश

मुंबई/एजेन्सी

जब सिनेमा कॉन 2026 में लास वेगास में इंडियन सिनेमा ने ग्लोबल स्टेज पर अपनी धाक जमाई, तब रॉकिंग स्टार यश ने अपनी अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोनअप्स को लेकर ऐसे-ऐसे खुलासे किए कि सबकी नजरें बस उन पर टिक गईं। रामायण के को-प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा के साथ बातचीत करते हुए, यश ने इस फिल्म की दुनिया की एक झलक दिखाई और भाई, ये कुछ अलग ही लेवल का गेम लग रहा है! फिल्म के बारे में बात करते हुए यश ने कहा,पहली बार, हमने इस फिल्म को इंग्लिश में भी शूट किया है। कॉन्सेप्ट के तौर पर ये काफी लेयर्ड है। ये कोई टाइपिकल गैंगस्टर एक्शन कहानी नहीं है। ऊपर-ऊपर से देखोगे तो लगेगा कि फुल एक्शन से भरी गैंगस्टर फिल्म है, लेकिन अंदर से ये डीप साइकोलॉजी और इंसानी जिंदगी के दिलचस्प पहलुओं को एक्सप्लोर करती है, जिससे लोग आसानी से कनेक्ट कर पाएंगे। और एक डार्क किरदार को पेश करने का तरीका भी काफी यूनिक है। डायरेक्टर गीटू मोहनदास और टीम के साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर करते हुए यश बोले,ये एक्सपीरियंस काफी एक्साइटिंग था। हमारी डायरेक्टर गीटू मोहनदास और टीम के बेहतरीन टेक्नीशियंस ने गैंगस्टर फिल्म को एक नया ट्विस्ट दिया है। मुझे इस पर काम करके बहुत मजा आया। ये फिल्म सिर्फ विजुअल ट्रीट नहीं होगी, बल्कि ऑडियंस की साइकोलॉजी पर भी गहरा असर डालेगी।

इंडियन सिनेमा के बदलते रूप पर बात करते हुए यश ने इंडिया को अपने आप में एक पूरी दुनिया बताया जहां हर कुछ सौ किलोमीटर में भाषा और कल्चर बदल जाता है।

सुमोना चक्रवर्ती का फिटनेस मंत्र, ‘अनुशासन ही असली जीत है’

मुंबई/एजेन्सी

मनोरंजन जगत में अभिनेत्रियां अपने लुक्स और फिटनेस पर काफी ध्यान देती हैं। मलाइका अरोड़ा, सोहा अली खान, और करीना कपूर खान अपने फिटनेस के लिए जानी जाती हैं, लेकिन टेलीविजन इंडस्ट्री की अभिनेत्री सुमोना चक्रवर्ती भी पीछे नहीं हैं। सोमवार को सुमोना ने इंस्टाग्राम पर जिम की कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। इसमें सुमोना जिम में एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट में अपने मन के भावों को बहुत ही मजाकिया अंदाज में व्यक्त किया। अभिनेत्री ने लिखा, लगातार कोशिश करते रहना, अनुशासन बनाए रखना और बस आगे बढ़ते रहना... यह भी एक बड़ी जीत है। मैं सिर्फ एब्स बनाने के चक्कर में नहीं हूं। असल में मैं खुद को मजबूत बनाना चाहती हूं।

अभिनेत्री ने लिखा कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कई तरह के बदलाव आते रहते हैं। उन्होंने लिखा, पहले जैसा लचीलापन अब नहीं रहा है। छोटी-छोटी गलतियों से घुटना या कंधा चोटिल हो जाता है और ठीक होने में भी ज्यादा समय लगता है।

फिर भी मैं हार नहीं मानूंगी। मैं अभी भी यहां हूं, चल रही हूं और आगे बढ़ रही हूं। अब मैं सिर्फ अपने शरीर का खास ध्यान रख रही हूं ताकि आने वाले दिनों में मुझे कोई परेशानी न हो।उन्होंने अपनी इच्छा जताते हुए लिखा, मैं चाहती हूं कि आगे चलकर मैं आराम से बैठ सकूं, खड़ी हो सकूं, डांस कर सकूं और बिना किसी दर्द के ट्रैवल कर सकूं।सुमोना ने अपने ट्रेनर को खास तौर पर धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, मेरे हेल्थ का ध्यान रखने के लिए शुक्रिया। आप मुझ पर जितना भरोसा करते हो, कभी-कभी मैं खुद पर उतना भरोसा नहीं कर पाती, लेकिन मुझ पर भरोसा करने के लिए मैं आपकी हमेशा आभारी हूं।सुमोना चक्रवर्ती भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री और कमीडियन हैं, जो मुख्य रूप से 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' और 'द कपिल शर्मा शो' में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं।

जेबीएन वीप्रेन्योर्स महिला बिज़नेस रेफरल ग्रुप की बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज विंग के अंतर्गत बिज़नेस रेफरल ग्रुप जेबीएन स्वयम वीप्रेन्योर्स की बैठक जयनगर में मंगलवार को हुई। रेफरल हेड निशा कोठारी ने सभी का स्वागत किया। लेडीज विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने कहा कि यह मंच केवल एक नेटवर्क नहीं, बल्कि एक आंदोलन है, जहाँ महिलाएँ एक-दूसरे को आगे बढ़ाती हैं और साथ मिलकर सफलता प्राप्त करती हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मात्र दो कार्यकाल में 80 लाख से अधिक का व्यवसाय होना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास, संबंधों और सामूहिक प्रयास का परिणाम है। कार्यक्रम में ग्रुप की नई टीम ने शपथ ली। निवर्तमान रेफरल हेड निशा कोठारी, रेफरल लीड राजुल किशोर और रेफरल सचिव सलोनी नेतानी को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। बबीता रायसोनी, निधि पालरेचा, निशा कोठारी ने क्रमश नई टीम में मीतू जैन को रेफरल हेड, तृप्ति जैन को रेफरल लीड और मिलोनी शाह को रेफरल सचिव की शपथ दिलवाई। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी, सचिव नितिन लूनिया ने नई टीम को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर जेबीएन अपेक्स सचिव मनोज कोचर ने नेटवर्क ग्रुप को 100 से अधिक सदस्याओं तक विस्तार देने का आह्वान किया। रेखा छाजेड़, रिंकू भंसाली आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

आज पारिवारिक, सामाजिक संस्कारों और धर्म परम्पराओं को बचाना बहुत जरूरी : आचार्यश्री विमलसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। बुधवार को हुब्बली-गदग रोड पर स्थित एक फार्म में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी एवं सहवर्ती श्रमणजन बुधवार को पुनः गदग पहुंचे। संतश्री की निश्रा में उनके प्रवास के दौरान तीन अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव, उत्तर कर्नाटक के 6 जिलों के 25 से अधिक गांवों-नगरों में ओजस्वी प्रवचन, चेरिटेबल संस्थाओं के अनेक जनकल्याणकारी कार्यक्रम, युवा सेमिनार, प्रभुभक्ति उत्सव, परिसंवाद आदि विविध आयोजन हुए। इस अवसर पर आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि उत्तर कर्नाटक में बसे हिंदीभाषी समाज को संगठित रहकर नए तरीके से सोचने की आवश्यकता है। यह प्रवासी समाज के लिए संक्रमण काल है।ङ्गङ्गजैनाचार्य ने कहा कि हर मनुष्य के लिए देशाटन अनुभवों, शिक्षाओं और सफलताओं का आधार होता है, लेकिन उसके साथ अनेक विषमताओं और चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है। मातृभूमि से दूर होना मनुष्य की मजबूरी होती है, लेकिन अपने पारिवारिक सामाजिक संस्कारों और धर्म परम्पराओं को बचाना बहुत जरूरी होता है। वर्तमान प्रवासी राजस्थानी समाज के सामने अनेक सवाल खड़े हैं। उसे अंग्रेजी के बोलबाले के बीच अपनी राजस्थानी और हिंदी भाषा की रक्षा करनी है। यहां रहने के लिए कन्नड़, तमिल, तेलगु आदि सीखनी हैं। मरुधर की वेशभूषा, खानपान और रीतिरिवाज बचाने हैं। स्थानीय लोगों से उलझने से बचना है। विवादों में अपनी व परिवार की रक्षा करनी है। बहन-बेटियों को गंदे लोगों की नजरों से बचना है। इसे नियति ही कह सकते हैं कि प्रवासी राजस्थानी समाज जहां भी बसा है, अपनी आर्थिक सफलताओं के कारण अन्य लोगों के आंखों की किरकिरी बना है। पूर्वी व दक्षिणी भारत तथा अनेक विदेशी क्षेत्र इस बात के जीवंत उदाहरण हैं, इसलिए धन का दिखावा कम करना और सबसे हिलमिलकर रहना बहुत जरूरी है। व्यापार-वाणिज्य करते हुए यह सब सफलता पूर्वक पार लगाना निश्चय ही सरल नहीं होता।ङ्गङ्गआचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि हर हालत में प्रवासी राजस्थानी समाज को अपनी व्यवहार कुशलता, नीतिमत्ता, मानवता, सभी से सद्भावना पूर्ण संबंध और स्थानीय औचित्य आदि बनाए रखने होंगे। अवसरवादी लोग हमारा फायदा उठाकर हमें फंसा न दें, यह सावधानी भी बरतनी होगी। बदलते राजनीतिक परिवेश में परदेश में रहना चुनौतीपूर्ण है। इधर गांव खाली होते जा रहे हैं। शहरों में बसना महंगा और मुश्किल होता जा रहा है। युवावर्ग गांवों से मुंह मोड़ चुका है। कन्याएं गांवों और कस्बों में बसना नहीं चाहती। ऐसे में हर माता-पिता और अभिभावक परेशान हैं। जैनाचार्य ने कहा कि आने वाले ज़माने के बारे में अब व्यापक सामाजिक स्तर पर चिंतन-मंथन की महती आवश्यकता है।

टीम ट्रैवर्जी बनी 'जेवाईजी' विजेता और टीम ड्रेस कोड बनी उपविजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) साउथ यूथ विंग द्वारा 'जीतो यूथ गेम्स(जेवाईजी) सीज़न-4, दि ग्रैंडमास्टर बोर्ड, दि बोर्ड फील्ड' का समापन हुआ। पांच माह तक आयोजित हुई इस स्पोर्टिंग चैंपियनशिप में 12 टीमों के 500 खिलाड़ियों ने वॉटर पोलो, घोड़ा कबड्डी, ब्रेन गेम्स, बोर्ड गेम्स और सेटलर्स ऑफ जेवाईजी 4 (कैटान)में भाग लिया। इस मौके पर सभी प्रायोजकों का स्मान किया गया। आयोजकों ने बताया कि क्लैश ऑफ क्लैन्स फॉर्मेट में आयोजित इस खेलों में विभिन्न वर्गो व स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम ट्रैवर्जी विजेता बनी और टीम ड्रेस कोड रनर-अप रही। प्रोजेक्ट संयोजक कुणाल मकाना, रिद्धि गांधी और तक्ष नाहर ने यूथ विंग के चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमाल, मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा, कोषाध्यक्ष यश जैन, सहसचिव दीक्षा भंसाली और अवधि चौहान के साथ मिलकर व्यवस्था संभाली।

मन को शांति के लिए सकारात्मक उर्जा आवश्यक : ब्रह्मर्षि भानुप्रताप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित वैष्णव भवन में ग्वालियर के बालाजी मठ मंदिर धार्मिक एवं पुण्यार्थ लोक न्यास के अध्यक्ष ब्रह्मर्षि भानुप्रताप दुबे ने अपने प्रवचन में कहा कि हृदय में सत्य को स्थापित करने के बाद ही मन, बुद्धि, चित्त में सच्चिदानंद परमात्मा के प्रति अनुराग होता है वही अनुराग जीवन की श्रेष्ठ उपलब्धि है। मन को शांति और सुख के अनुभव के लिए सकारात्मक उर्जा की आवश्यकता होती है जो परमेश्वर कृपा से अंतरिक्ष से मिलती है और नकारात्मक उर्जा अशुभ ग्रह एवं पितृ दोष के कारण मिलती है। अशुभ प्रभाव से बचने व शुभ प्रभाव के आगमन के लिए ही सत्संग और दान की महत्वता है जिसे हर व्यक्ति को प्राथमिकता से अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचतत्त्व से बने मानव शरीर की रचना, चेतना यानी परमसत्ता परमेश्वर के अनुभव के लिए प्रदत्त है जिसको समझना ही बुद्धिमत्ता है।

नवकार दिवस के सफल आयोजन में सहयोग देने वाली संस्थाओं का हुआ सम्मान

जीतो साउथ व नार्थ चैप्टर ने सभी सहयोगियों को दिया धन्यवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विश्व नवकार महामंत्र दिवस के ऐतिहासिक सफल आयोजन के उपरांत जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) द्वारा राजाजीनगर स्थित कार्यालय में सहयोग देने वाली सभी संघ संस्थाओं के सम्मान हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवकार महामंत्र दिवस के आयोजन में सहयोग देने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधियों का सम्मान किया। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने कहा कि यह सम्मान समारोह केवल आभार प्रकट करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की एकजुटता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि सभी संघ संस्थाओं ने जिस समर्पण और उत्साह से कार्य किया, वह अत्यंत सराहनीय एवं अनुकरणीय है। महामंत्री नितिन लुनिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। जीतो नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने कहा कि नवकार महामंत्र दिवस की अभूतपूर्व सफलता सभी संघ संस्थाओं के सामूहिक सहयोग का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि समाज की एकता, समर्पण और सहयोग की भावना ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। नार्थ लेडीज़ विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना एवं साउथ की अध्यक्ष बबीता रायसोनी ने कहा कि महिला शक्ति की सक्रिय सहभागिता से इस आयोजन को विशेष ऊर्जा एवं सफलता प्राप्त हुई। यूथ विंग के चेयरमैन अनीश भोजानी ने भी युवाओं की भागीदारी को सराहा। ङ्गइस अवसर पर विभिन्न संघों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए। चिकपेट आदिनाथ संघ के अध्यक्ष गौतम सोलंकी ने कहा कि नवकार दिवस ने पूरे बेंगलूरु को एक आध्यात्मिक सूत्र में बांधा। जैन कॉन्फ्रेन्स कर्नाटक के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ ने कहा कि सभी संघों का एक मंच पर आना समाज की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने सहयोग और समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। तेरापंथ समाज के मंगलचंद कोचर ने कहा कि नवकार महामंत्र दिवस जैसे आयोजन समाज को आध्यात्मिक रूप से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। दिगंबर समाज के अशोक सेठी ने कहा कि नवकार महामंत्र सभी के लिए समान रूप से पूजनीय है। कार्यक्रम में मंदिरमार्गी, स्थानकवासी, तेरापंथी व दिगम्बर सम्प्रदाय की विभिन्न सभा संस्थान, मंदिर, स्थानक व अन्य धार्मिक स्थलों ने जुड़ी सैंकड़ों संस्थाओं, जिन्होंने नवकार मंत्र जाप में भाग लिया, के प्रतिनिधि उपस्थित थे। नवकार मंत्र जाप कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक प्रवीण चौहान, महेंद्र रांका, सुनील लोढ़ा एवं महावीर दांतेवाड़िया के योगदान को सराहा गया।

तेरापंथ महिला मंडल ने मनाया 'गणगौर उत्सव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा मंगलवार को तेरापंथ भवन में गणगौर उत्सव का आयोजन किया गया। उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सोलह सिंगार प्रतियोगिता में प्रथम स्थान खुशी कोठारी ने, द्वितीय स्थान सोनम बैद एवं तृतीय स्थान कुसुम कटारिया ने प्राप्त किया।गणगौर की थीम पर आधारित मेहंदी प्रतियोगिता में प्रिया जैन, सुरभि कोचर एवं ललिता डागा क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रही। 'राजस्थान की शान-गणगौर' विषय पर भाषण प्रतियोगिता में उर्मिला जैन ने प्रथम खुशी, कोठारी ने द्वितीय तथा प्रज्ञा जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांस्कृतिक ग्रुप प्रस्तुति में प्रथम स्थान पर रंगीलो राजस्थान ग्रुप, द्वितीय स्थान पर म्हारी प्यारी गणगौर ग्रुप ने तथा तृतीय स्थान पर रंग-रंगीली गणगौर ग्रुप रहा। मंडल द्वारा निर्णायकों व विजेताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सहित 110 सदस्याओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन सहमंत्री हंसा दुगड़ ने किया।

कल विल्सनगार्डन में होगा समकितमुनि का बेंगलूरु नगर प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चेन्नई से चातुर्मास सम्पन्न कर विभिन्न शहरों में विचरण करते हुए बेंगलूरु में चातुर्मास करने आ रहे डॉ. समकितमुनिजी, भवांतमुनिजी एवं जयवंतमुनिजी का बेंगलूरु नगर प्रवेश शुक्रवार को श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सनगार्डन में होगा। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा, अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली, मंत्री सज्जन बोहरा ने बताया कि संतश्री आडुगोडी स्थित तेरापंथ सभा भवन से शुक्रवार को प्रात: 7: 35 बजे विहार करके शोभायात्रा के साथ चिन्नयनपाल्या विल्सन गार्डन स्थित जैन स्थानक में पधारेंगे। नगर प्रवेश कार्यक्रम हेतु संघ में विशेष उत्साह छाया हुआ है। ज्ञातव्य है कि डॉ. समकितमुनि आदि का इस वर्ष का चातुर्मास बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026 के तत्वावधान में महावीर धर्मशाला में तय है।

राम जन्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विजयनगर सर्विस रोड स्थित अंगड़ी बीड़ी व्यापारी संघ ने श्रीराम नवमी का त्योहार भक्तिमय उल्लास और उत्साह के साथ मनाया।बड़ी संख्या में भक्तों ने श्रीराम के दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण किया। श्रीराम के भक्तों द्वारा जय श्री राम के नारे लगाने से वातावरण भक्तिमय हो गया। इस मौके पर अतिथि के रूप में उपस्थित मारुति मेडिकल्स के महेंद्र मुणोत ने कहा कि भगवान राम हमारे आदर्श हैं। हमें उनके चरित्र से जीवन जीने की कला सिखनी चाहिए। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

'आर्टेमिस-2' की सफलता से भारत को 'गगनयान' मिशन के लिए आत्मविश्वास मिला : वैज्ञानिक

नई दिल्ली/भाषा। अशोका विश्वविद्यालय के कुलपति और भौतिकी के प्रोफेसर सोमक रायचौधरी ने कहा कि 'आर्टेमिस-2' मिशन की सफलता से भारत को बहुत आत्मविश्वास मिला है, क्योंकि देश अपने 'गगनयान' अभियान के तहत उन्हीं क्षमताओं के प्रदर्शन की योजना बना रहा है, जो नासा की ओर से हाल में प्रक्षेपित इस अंतरिक्ष यान ने प्रदर्शित की थीं।

'आर्टेमिस-2' के चालक दल ने चंद्रमा के चारों ओर 10 दिन की ऐतिहासिक परिक्रमा पूरी करने के बाद 11 अप्रैल को कैलिफोर्निया के तट से दूर प्रशांत महासागर में सफल लैंडिंग की। यह 50 से अधिक वर्षों में पहली बार था, जब कोई मानवयुक्त मिशन पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकलकर चंद्रमा के पास से गुजरा।

भारत के शीर्ष खगोल भौतिकविदों में शामिल रायचौधरी ने कहा, आर्टेमिस-2 की सफल उड़ान भारतीयों के लिए शानदार खबर है, क्योंकि 'गगनयान' मिशन जल्द शुरू होने वाला है। यह वही काम करेगा, जो 'आर्टेमिस-2' ने किया। उन्होंने कहा, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 'आर्टेमिस' परियोजना पर लंबे समय से अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के साथ काम कर रहा है और हमारे अंतरिक्ष यात्री समान प्रशिक्षण कार्यक्रमों से गुजर रहे हैं।

'गगनयान' मिशन भारत का पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन होगा। इसे 2027 में प्रक्षेपित किए जाने की उम्मीद है। 'आर्टेमिस' परियोजना के पहले मिशन के तहत 2022 में एक मानवरहित अंतरिक्ष यान ने चंद्रमा का चक्कर लगाने के बाद धरती पर सफल वापसी की थी। 'आर्टेमिस-2' साल 2028 में चंद्रमा की सतह पर भेजे जाने वाले मानवयुक्त अभियान का पूर्वाभ्यास था। यह परियोजना चंद्रमा पर मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान के एक नए युग की शुरुआत की प्रतीक है, जिसका मकसद वहां एक स्थायी बस्ती स्थापित करना और मनुष्यों को चंद्रमा की यात्रा का अवसर प्रदान करना है। रायचौधरी ने कहा, 1960 और 1970 के दशक के 'अपोलो' मिशन के विपरीत, जो मुख्य रूप से अंतरिक्ष में आगे निकलने की दौड़ और चंद्रमा पर कदम रखने के बारे में थे, नए मिशन चांद की सतह पर लंबे समय तक रहने के बारे में हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रमा पर मानव का दीर्घकालिक प्रवास मंगल ग्रह और क्षुद्रग्रहों पर उतरने जैसे कहीं अधिक लंबे अंतरिक्ष अभियानों को संचालित करने में मददगार होगा।

रायचौधरी ने कहा, इसके लिए चंद्रमा पर एक ठोस ठिकाने की जरूरत होगी और वहां ऑक्सीजन तथा पानी की उपलब्धता भी सुनिश्चित करनी पड़ेगी। इसके अलावा, कंप्यूटर और अन्य उपकरणों के संचालन और खनन जैसी बड़ी गतिविधियों के लिए ऊर्जा पैदा करने की भी आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि इसीलिए वैज्ञानिक चंद्रमा की सतह पर जमी हुई बर्फ और हीलियम-3 की खोज कर रहे हैं।

जमी हुई बर्फ का इस्तेमाल ऊर्जा उत्पादन सहित दीर्घकालिक उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

दसवीं परीक्षा में बीबीयूएल विद्यालय के 103 विद्यार्थियों ने प्राप्त की प्रथम श्रेणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के केआर रोड स्थित बीबीयूएल जैन विद्यालयके सीबीएसई दसवीं परीक्षा के परिणाम उत्कृष्ट रहे। विद्यालय से दसवीं की परीक्षा में कुल 121 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें से 103 विद्यार्थियों को प्रथम श्रेणी प्राप्त हुई। स्कूल के 16 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत, 20 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत , 27 विद्यार्थियों ने 70 प्रतिशत तथा 40 विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। स्कूल में अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने 96.3 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया। स्कूल प्रबंधन व शिक्षकों ने दसवीं कक्षा के अच्छे परिणाम के लिए सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

भारत दुनिया के सबसे अग्रणी एआई उपयोगकर्ताओं में शामिल: ओपनएआई रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। ओपनएआई ने बुधवार को भारत के लिए अपनी ताजा क्षमता अंतराल रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत दुनिया के सबसे अग्रणी कृत्रिम मेधा (एआई) बाजारों में से एक है। इसके मुताबिक, खासतौर से कोडिंग, डेटा विश्लेषण और जटिल तर्क के मामले में भारत काफी आगे है, लेकिन अन्य देशों की तुलना में यहां एआई की स्वीकार्यता की दर बड़े शहरों में अधिक है। ओपनएआई के अनुसार, प्रति व्यक्ति सोचने की क्षमता के उपयोग के मामले में भारत विश्व स्तर पर शीर्ष पांच देशों में शामिल है।

जिनकुशलसूरी दादावाड़ी के पदाधिकारियों ने साध्वियों के किए दर्शन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के अध्यक्ष तेजराज मालानी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मैसूरु में विराजित साध्वी डॉ प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी, प्रियशौर्यांजनाश्रीजी, प्रियसाध्यांजनाश्रीजी, प्रियसत्यांजनाश्रीजी आदि के दर्शन किए तथा विहार सेवा के बारे में चर्चा की। ज्ञातव्य है कि इन साध्वियों का आगामी चातुर्मास खरतर गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी की आज्ञा से जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में तय हुआ है। प्रतिनिधि मंडल में अरविन्द कोठारी, धर्मेन्द्र संकलेचा, ललित डाकलिया, पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, जवेरीलाल गुलेच्छा आदि शामिल थे। इस अवसर पर मैसूर संघ के अध्यक्ष भैरुमल राठौड़, महामंत्री कांतिलाल गुलेच्छा, ललित गुलेच्छा, प्रकाशचंद जैन आदि सदस्य उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**